Mini's father could not control his tears. He realised that the poor Kabuliwallah was also a father. He called Mini, who came out dressed as a bride. The Kabuliwallah was shocked to see that Mini, the little girl he had known had grown into a beautiful woman. He suddenly realised that his own daughter would have grown up too and broke into tears. Mini's father took out some money and gave it to Rehman and said, " Go and see your daughter and may you have all the happiness."

Mini's father had to cut down the expenses of the wedding. He could not afford the millitary band and the electric lights but he was happy that his money had helped a long-lost father meet his only child once again.

शब्दार्थ

control- नियंत्रित करना, dressed- पहने हुए, bride- दुल्हन, shocked- चकित, suddenly- अचानक, broke into tears- फूट फूट कर रोया, expenses- खर्चे।

Exercise

Q.1- What did Mini's father give him?

Q.2- Mention the human qualities that you observe in the story?

हिन्दी अनुवाद

मिनी के पिता अपने आँसू नहीं रोक सके उन्होंने महसूस किया कि काबुलीवाला भी एक पिता था। उन्होंने मिनी को बुलाया, जो दुल्हन के कपड़े पहने बाहर आई। काबुलीवाला यह देखकर कि जिस छोटी बच्ची को वह जानता था अब इतनी सुंदर लड़की बनकर बड़ी हो गई है, वह हैरान हो गया। उसने महसूस किया कि उसकी अपनी बेटी भी बड़ी हो चुकी होगी और इतना सोचकर रोने लगा। मिनी के पिता ने कुछ धन निकाला और रहमान को देकर कहा, "जाओ और अपनी बेटी को जाकर मिलो और मेरी प्रार्थना है कि तुम्हें सारी खुशियाँ मिलें।"
मिनी के पिता को शादी के खर्च कम करने पड़े। वे मिलिट्री बैण्ड और लाइटें नहीं लगवा सके परन्तु वह प्रसन्न थे कि उनके पैसों से एक पिता को उसकी बेटी से सालों बाद मिलने का अवसर मिला।

Answer Sheet -11

Ans.1- (a). person who can read and write – literate

(b). A person who talks too much – chatterbox

(c). A person who loves his country – patriot

(d). A government by the people – democracy

(e). A person who looks at the bright side of the thing – optimist

9458278429

Made by- S.P.Gautam Hamirpur & Upasna Tyagi

Subject - English Chapter- THE KABULIW ALLAH(4) Class - 8

Topic - Lesson-2 (Story) S.N. - 10

मिशन शिक्षण संवाद

Time passed and Mini soon forgot her old friend, the Kabuliwallah. She grew up into a very pretty woman. Her father made arrangements for Mini's wedding. Mini was getting married that night. As the father was busy in the preparations, a man came upto him and saluted respectfully. At first he did not recognise him. Soon he realised, it was old Rehman, the Kabuliwallah. Mini's father told him that the marriage ceremonies are going on and he should come on another day.

हिन्दी अनुवाद

समय बीतता गया और मिनी अपने पुराने दोस्त काबुलीवाला को भूल गई। वह बड़ी होकर एक बहुत सुंदर लड़की बनी। उसके पिता ने उसकी शादी का प्रबंध किया। मिनी की उस रात शादी थी। उसके पिता जब तैयारियों में व्यस्त थे, एक आदमी उनके पास आया और आदरपूर्वक अभिवादन किया। पहले तो वे उस आदमी को नहीं पहचाने। जल्द ही वह जान गए कि वह रहमान, काबुलीवाला, है। मिनी के पिता ने बताया कि शादी की रस्में चल रही हैं और वह किसी और दिन आए।

Exercise

Q.1- Why was the Kabuliwallah shocked to see Mini?

Q.2- Did Mini forget the Kabuliwallah?

Q.3- Fill in the blanks with the words given in the box:

afford, suddenly, sacks, stabbed, owed.

a. We keep grains in __.

b. My friend __ me one thousand rupees.

c. Tom ___Mary in the back.

d. A dog _ jumped at Ankit.

e. Don't spend more than you can__ .

शब्दार्थ

Passed- गुजर गया/बीत गया, forgot- भूल गयी, pretty- सुन्दर, arrangements-इंतजाम, व्यवस्था,wedding- शादी, preparations- तैयारियां, saluted-अभिवादन किया, recognise- पहचानना, realized- महसूस किया, ceremonies- रश्में,

Answer Sheet -09

Ans.1- Rehman, the Kabuliwallah, had stabbed a man who owed him money. For this crime, he was arrested.

Ans.2- Rehman went to his country once a year.

Ans.3- Stabbed- छुरा घोप दिया
Prison- जेल

Ans.4- (a).His, (b).In, (c).Brave, (d).Sincerely

9458278429

Made by- S.P.Gautam Hamirpur & Upasna Tyagi

He was about to leave when he turned around and said, "May I see the little one , sir?"

He still thought of Mini as a little girl who came running to him and calling, "Kabuliwallah, O! Kabuliwallah." He thought they would talk and laugh as they used to do long ago.

Mini's father told him again that the marriage ceremonies are going on. The Kabuliwallah then gave him a small packet of dried raisins, nuts and almonds for Mini and said, "Give these to the little one. I too have a little one like her and I think of her and bring you this fruit."

हिन्दी अनुवाद

वह जाने ही वाला था जब वह पलटा और उसने कहा, "श्रीमान, क्या मैं छोटी बच्ची को देख सकता हूँ।" " वह अभी भी यही समझता था कि मिनी वही छोटी लड़की है जो उसकी तरफ "काबुलीवाला, ओ काबुलीवाला" कह फर दौड़ी आती थी। उसने सोचा कि वे बातें करेंगे और हँसेंगे जैसे वे बहुत समय पहले करते थे।

मिनी के पिता ने दोबारा बताया कि शादी की रस्में चल रही हैं। काबुलीवाला ने तब उन्हें मिनी के लिए सूखी किशमिश, काजू और बादामों का एक छोटा पैकेट दिया और कहा, "इन्हें छोटी बच्ची को दे देना। मेरी भी उसी की तरह एक छोटी बच्ची है और मैं उसके बारे में सोचता हूँ और ये सूखे मेवे मैं उसी के लिए लाया हूँ।"

शब्दार्थ

leave- जाना, turned around- पीछे मुड़ा, still- अभी भी, long ago- बहुत समय पहले, Bring- लाना

Exercise

Q.1- Suggest a suitable word from the given box for each of the following sentences:

optimist, democracy, patriot, chatterbox, literate

Example:
A person who can read and write - literate

a. A person who talks too much -
b. A person who loves his country -
c. A government by the people
d. A person who looks at the bright side of the thing -

Answer Sheet -10

Ans.1- He was shocked to see that Mini, the little girl he had known, had grown into such a beautiful woman.
Ans.2- Yes, Mini forgot the Kabuli wallah.
Ans.3- (a).sacks (b).owed, (c).stabbed, (d). suddenly, (e). afford

9458278429
Made by- S.P.Gautam Hamirpur & Upasna Tyagi

विषय- संस्कृत पाठ- तृतीयः कक्षा - 8

प्रकरण- गद्य क्रमांक - 8

मिशन शिक्षण संवाद

प्रथम अन्विति

दीपावली प्रकाशस्य महोत्सवः अस्ति। इदम् पर्व कार्तिक्याम् अमावस्यां संघटते। अस्मिन् दिने भगवान् रामचन्द्रः चतुर्दशवर्षमितं वनवासं पूर्णम् कृत्वा रावणं जित्वा अयोध्यां प्रत्यागच्छत् । तदा प्रभृति इदम् पर्वम प्रचलित । अमुष्मिमन् महापर्वाणि रात्रौ महालक्ष्मी पूजनं भवति। वर्णन च देवीम् धन-धान्यादिकं याचामहे। सर्वे जना:स्वकीयान् गृहान् दीपमालया सज्जयन्ति। सायं वीथीस्वापणेषु मार्गेषु गृहेषु च सर्वत्र दीपानां प्रकाशन पश्यामः। अहो!कियत् चाकचिक्यम् प्रतिभवनेषु विद्युद्दीपानां। पर्वसु दीपावली प्रमुखं पर्वः वर्तते।अस्माकम् देने अन्यानि पर्वाणि अपि सन्ति। रक्षाबंधनं विजयदशमी, होली इत्यादीनि।

अर्थ

दीपावली प्रकाश का महोत्सव है। यह पर्व कार्तिक (माह)की अमावस्या को होता है। इस दिन भगवान रामचन्द्र चौदह वर्ष पर्यन्त वनवास पूरा कर के रावण को जीतकर (वध करके)अयोध्या लौटे थे।तब से यह पर्व प्रचलित है।इस महापर्व में रात को महालक्ष्मी का पूजन होता है।हम सब देवी से धनधान्यादि माँगते हैं। सभी लोग अपने घरो को दीपों की पंक्तियों से सजाते हैं। शाम को गलियों, बाजारों, मार्गों और घरों में सब जगह दीपों का प्रकाश देखते हैं। अहा! प्रत्येक भवन में बिजली के बल्बो की कैसी चकाचौंध है। पर्वों में दीपावली प्रमुख पर्व है। हमारे देश में अन्य पर्व भी है - रक्षाबन्धन, विजयदशमी, होली इत्यादि।

शब्द -अर्थ

१-संघटते -पड़ता है
२-अमुष्मिन दिने- इस दिन
३-तदा - तभी ,तब
४-प्रभृति -लेकर ,उसी समय से
५-जित्वा -जीत कर
६-वीथीषु। -गलियों
७-आपणेषु -बाजारों
८-सज्जयन्ति -सजाते हैं।

अभ्यास कार्य

प्रश्न -१ दीपावली कस्य पर्वं अस्ति?

प्रश्न-२ राम:अयोध्यां कदा प्रत्यागच्छत्?

प्रश्न-३अस्माकं देशे अन्यानि कानि पर्वाणि सन्ति?

उत्तर-१ प्रकाशस्य,उ०-२ चतुर्दशवर्षमितं वनवासं पूर्णं कृत्वा अयोध्यां प्रत्यागच्छत्।उ०-३ होली,रक्षाबन्धनं,विजयदशमी इत्यादीनि अन्यानि पर्वाणि सन्ति।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- आभा UPS PALPUR CHAKA PRAYAGRAJ

विषय- संस्कृत पाठ- तृतीय:पाठः कक्षा - 8

प्रकरण-अस्माकं पर्वाणि (गद्य)क्रमांक - ९

मिशन शिक्षण संवाद

द्वितीय अन्विति

कार्तिकमासस्यैव पूर्णिमायां गुरुनानकदेवस्य जयंती भवति।अस्यामेव तिथौ गुरुनानकदेवस्य जन्म अभवत्। सिक्खधर्मावलम्बिनः जनाःअस्मिन् दिने विशिष्टायोजनं कुर्वन्ति। तैः सह तेषाम् इष्टमित्राण्यपि इदं पर्वं मानयन्ति। ते परिवारजनान् गुरुद्वारं नयन्ति। तत्र शिरः नत्वा 'गुरुग्रन्थसाहिब'इति नामधेयं स्वकीयं धर्मग्रन्थं श्रृण्वन्ति, मित्रैःसह संलपन्ति आनन्दं च लभन्ते। अमुष्मिन् पर्वाणि सिक्ख-महानुभावाः सर्वेभ्यःसमागतेभ्यः जनेभ्यः मधुरप्रसादं वितरन्ति। भजनकीर्तनादि-कार्यक्रमेण सह ते शोभायात्रां अप्यायोजयन्ति।

शब्द - अर्थ

तत्र - वहाँ
नत्वा - झुका कर
श्रृणवन्ति-सुनते है
संलपन्ति-बातें करतें हैं
समागतेभ्यः-आए हुए

हिन्दी अनुवाद

कार्तिक माह की पूर्णिमा को गुरुनानक की जयंती होती है।इसी तिथि को गुरुनानक देव का जन्म हुआ था। सिक्ख धर्म को मानने वाले लोग इस दिन विशेष आयोजन करते हैं।उनके साथ उनके इष्टमित्र भी यह पर्व मनाते हैं।वे परिवार के लोगों को गुरुद्वारा ले जाते हैं।वहां सिर झुका कर 'गुरुग्रंथसाहिब'नामक अपने धर्म ग्रंथ को सुनते हैं, मित्रों के साथ बातचीत करते हैं और आनन्द प्राप्त करते हैं। इस पर्व पर सिक्ख लोग सभी आए हुए लोगों को मधुर प्रसाद बांटें है। भजन कीर्तनादि -कार्यक्रम के साथ शोभायात्रा का आयोजन भी करते हैं।

अभ्यास-कार्य

प्रश्न-१ गुरुनानकदेवस्य जन्म कदाअभवत्?
प्रश्न-२ सिक्खमहानुभावः समागतेभ्यः जनेभ्यः प्रसादरुपेण किं वितरन्ति?

उत्तर-१कार्तिकमासस्यैव पूर्णिमायां।
उत्तर-२संयावं (हलुआ)या मधुरप्रसादं।

गृहकार्य

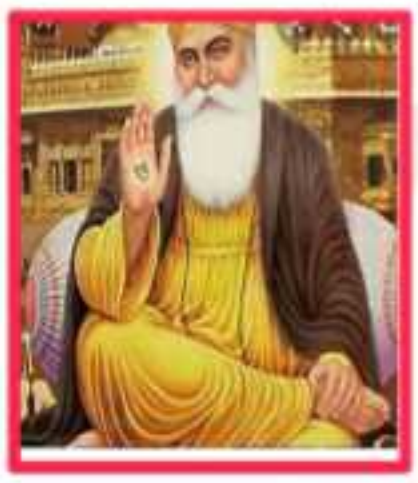

१-गुरुनानकदेव मानवता के सच्चे उपासक थे।महान व्यक्तित्व कक्षा-६से इनके विषय में जानकारी प्राप्त कर २पेज का एक निबन्ध लिखिए।

प्रश्न -२ गुरुद्वारे का चित्र विषय की कॉपी में बनाइए।

प्रश्न-३ प्रश्न व शब्द-अर्थ याद करिए।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- आभा UPS PALPUR CHAKA PRAYAGRAJ

मिशन शिक्षण संवाद

मातृदेवो भव

किम त्वं न जानासि? तैतिरीयोपनिषद उपदिशति -"मातृ देवो भव" इति। अन्यदपि उक्तम -

अभिवादनशीलस्य नित्यम वृद्धोपसेविनः ।

चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम् ।।

"अधुना सत्वरं गच्छ ,चिकित्स्कम च आनय" इति। श्रुत्वा सतीशः वैद्यम आनयत् ।तस्य जननी प्रमुदिताऽभवत ।

हिन्दी अनुवाद

क्या तुम नहीं जानते?
तैतिरीयोपनिषद् उपदेश देते हैं -' माता देव तुल्य होती है'। और यह भी कहा गया है -
"नित्य बड़ो-बूढ़ो की सेवा करने वाले व उनका सम्मान करने वाले का आयु , विद्या, यश और बल चे चारो बढ़ते हैं।"
"इस समय शीघ्र जाओ, चिकित्सक को बुला लाओ" ऐसा सुनकर सतीश वैद्य को बुला लाया। उसकी माता प्रसन्न हो गई।

शब्द - अर्थ

जानासि - जानते हो
उक्तम् -कहा गया है
वर्धन्ते -बढ़ते है
अधुना - इस समय
सत्वरम् - शीघ्रता से
श्रुत्वा - सुनकर
प्रमुदिता- प्रसन्न

अभ्यास-कार्य

प्रश्न-१ उपनिषद् किम् उपदिशति?
प्रश्न-२ का प्रमुदिता अभवत्?

प्रश्न-३ आयुर्विद्या यशोबलं कस्य वर्धते?

गृह -कार्य

१-श्लोक याद करिए। इस श्लोक को चार्ट पेपर में सुन्दर रंगों से लिखिए।
२-माता -पिता की सेवा करने वाले कुछ महान् पुरुषों की कहानियों का संग्रह करके लिखिए।
३-पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- आभा UPS Palpur Chaka Prayagraj 9458278429

विषय- **विज्ञान** पाठ-2-मानव निर्मित वस्तुएं कक्षा - **8**

प्रकरण- मानव निर्मित वस्तुओं की उपयोगिता क्रमांक-11

मिशन शिक्षण संवाद

मृतिका-

•कुम्हार मिटटी के बर्तन बनाने के लिए एक विशेष प्रकार की मिट्टी का प्रयोग करते हैं जिसे चिकनी मिट्टी या क्ले कहते हैं।

•इस मिट्टी से बनाये गए कच्चे बर्तनों को उच्च ताप पर भट्ठी में पकाया जाता है,पके हुए इन्ही बर्तनों को मृतिका कहते हैं।

•छेनी मिट्टी एक प्रकार की सफ़ेद मृतिका है।

•आग्नेय चट्टानों से फेल्सपार खनिज क् क्षरण से प्राप्त मिटटी द्वारा खिलौनें, टाइल्स आदि बनाये जाते हैं।

मृतिका

साबुन

1. यह कठोर जल से कपड़े धोने के लिये उपयुक्त नहीं है, क्योंकि Ca++ तथा Mg++ आयन इससे संयोग करके सफेद व चिकना अवक्षेप बनाते हैं।
2. इसमें कम आर्द्रता गुण होता है।
3. इसकी अधिकता नदियों में जाकर किसी प्रकार का प्रदूषण नहीं करती, क्योंकि ये जैव निम्नकरणीय पदार्थ है।
4. इन्हें बनाने के लिये कच्चा पदार्थ पेट्रोलियम से प्राप्त होते हैं।

अपमार्जक

1. यह कठोर जल से कपड़े धोने के काम आता है, क्योंकि अपमार्जक कठोर जल में उपस्थित Ca++ तथा Mg++ आयनों के साथ कोई अविलेय अवक्षेप नहीं बनाते हैं।
2. साबुन की अपेक्षा इसमें अधिक आर्द्रता गुण पाया जाता है।
3. इसकी अधिकता नदियों में जाकर प्रदूषण करती है, क्योंकि ये जैव निम्नकरणीय नहीं है।
4. इन्हें बनाने के लिये कच्चा माल वनस्पति तेल होता है।

अपमार्जक

अभ्यास प्रश्न

1.मृतिका क्या होती है?

2.साबुन व अपमार्जक में अंतर बताइये?

उत्तर क्रमांक-10

1.प्रत्यक्ष सूर्य के प्रकाश में धूप का चश्मा सुरक्षा प्रदान करता है,नेत्रों को होने वाली परेशानियों से सुरक्षा प्रदान करता है।

2.कठोर कांच-पोटैशियम कार्बोनेट,चूना पत्थर और रेत के मिश्रण से बनाया जाता है।

मृदु कांच- सोडियम कार्बोनेट, चूना पत्थर और रेत से बनता है।

3.फ्लिंट कांच सोडियम कार्बोनेट, पोटैशियम कार्बोनेट, बोरिक एसिड व सिलिका से बनता है।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- स्वाति सचान (स.अ.) यूपीएस मुहारा,जखौरा ललितपुर

प्रयोग-मानव निर्मित वस्तुएं

मशीनें कार्य करने करने के समय तथा लागत को कम कर गुणवत्ता बढ़ाती हैं। आज का प्रयोग बल तथा विस्थापन से है।

•गरारी, घिरनी, या पुली जो साधारण मशीन व मानव निर्मित वस्तु का एक सरल उदाहरण है। इसका उपयोग सामान्यतः ही देखने मिल जाता है, अधिकतर ग्रामीण जन जीवन में ये कुंए के रूप में मिल जाती हैं।

•यह उदहारण मानव निर्मित वस्तुओं की संकल्पना को समझाने के लिए सर्वोत्तम है।

•घिरनी के पीछे भैतिक विज्ञान कार्य करता है जहाँ जैसे जैसे रस्सी या चैन घुमती है वह बल की दिशा में परिवर्तन करती है।

•जिससे विपरीत दिशा में लगने वाले गुरुत्वाकर्षण बल का मान रस्सी/चैन की प्रति मीटर लंबाई पर कम होता जाता है और खींचे जाने वाले भार को ऊपर की और खींचना आसान हो जाता है।

प्रयुक्त सामग्री-
फ्रूटी का खाली कार्टन, टूथपेस्ट का ढक्कन, मोटा धागा, पेपर कटर।

1.चिकनी मिट्टी या क्ले द्वारा बनाये गए कच्चे बर्तनों को उच्च ताप पर भट्टी में पकाया जाता है,पके हुए इन्ही बर्तनों को मृतिका कहते हैं।
2.साबुन– दीर्घ श्रृंखला युक्त वसीय अम्लों के सोडियम या पोटेशियम लवण को साबुन कहते है।
अपमार्जक –ये दीर्घ श्रंखला युक्त सल्फोनिक अम्ल या हाइड्रोजन सल्फेट के सोडियम लवण है।
इनकी संरचना साबुन के समान तो नहीं होती परन्तु ये साबुन के समान किसी सतह को धूल व चिकनाई के कणों से मुक्त कर देते है अतः इन्हे साबुन विहीन साबुन कहते है।

उत्तर क्रमांक-10

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- स्वाति सचान (स.अ.) यूपीएस मुहारा,जखौरा ललितपुर

विषय- विज्ञान पाठ-2-मानव निर्मित वस्तुएं कक्षा - 8

प्रकरण- मानव निर्मित वस्तुओं की उपयोगिता क्रमांक-10

मिशन शिक्षण संवाद

कांच-खिड़की के शीशे, वैज्ञानिक उपकरण तथा कांच के बर्तन बनाने में कांच का उपयोग किया जाता है।सर्वप्रथम कांच का निर्माण प्राचीन काल में मिस्र (Egypt) में हुआ था।

कांच के गुण-

•कांच विभिन्न क्षारीय धातुओं के सिलिकेटों का एक अक्रिस्टलीय पारदर्शक या अल्प पारदर्शक समांगी मिश्रण होता है।

•साधारण कांच बनाने के लिए सिलिका, विरंजक पदार्थ, क्षारीय धातु के ऑक्साइड, कैल्सियम ऑक्साइड आदि पदार्थों की आवश्यकता पड़ती है।

•सभी पदार्थों में आपस में पीसकर चूर्ण में परिवर्तित करके भट्टियों में पिघलाया जाता है। जब चूर्ण पिघलकर द्रव अवस्था में परिणत हो जाता है, तो उसे द्रव कांच (Liquid Glass) कहते हैं।

•इस द्रव कांच को बर्तन बनाने वाले विभिन्न सांचों में डालकर धीरे-धीरे ठंडा किया जाता है। अतः अक्रिस्टलीय ठोस रूप में कांच एक अतिशीतित द्रव है।

•कांच कोई यौगिक नहीं है, इसका निश्चित गलनांक नहीं होता है।

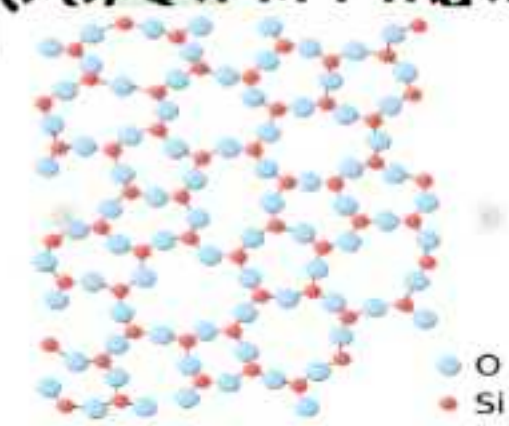

विशेष- धूप के चश्मे..?
धूप के चश्मों में फोटोक्रोमेटिक कांच के लेंसों का उपयोग किया जाता है। इसमें सिल्वर आयोडाइड मिला छिता है जो सूर्य के प्रकाश में विघटित होकर सिल्वर तथा आयोडाइड बनाता है और लेंस को गहरा रंग प्रदान करता है।

कांच प्रमुखत: निम्न प्रकार के होते हैं-

1.साधारण या मृदु कांच- यह सोडियम कार्बोनेट, चूना पत्थर और रेत क मिश्रण से बनाया जाता है। इसका उपयोग बोतल,परखनली, खिड़की के शीशे बनाने में किया जाता है।

2.कठोर कांच-यह पोटैशियम कार्बोनेट, चूना पत्थर और रेत के मिश्रण से बनाया जाता है। इसका उपयोग फ्लास्क, बीकर आदि प्रयोगशाला उपकरण बनाने में किया जाता है।

3.फ्लिंट या प्रकाशीय कांच- यह सोडियम कार्बोनेट, पोटैशियम कार्बोनेट, बोरिक एसिड तथा सिलिका के मिश्रण को गर्म करके प्राप्त किया जाता है। इससे प्रिज़्म या प्रकाशिक यंत्र के लेंस बनाये जाते हैं। दृष्टि दोषों को दूर करने के लिए चश्मों के लेंस भी फ्लिंट कांच से ही निर्मित किये जाते हैं।

कांच को रंग प्रदान करने के लिए उसमें विभिन्न प्रकार के धात्विक ऑक्साइड मिलाये जाते हैं-

1.कोबाल्ट ऑक्साइड–नीला
2.फेरिक ऑक्साइड– हल्का नीला
3.क्रोमियम ऑक्साइड–हल्का हरा
4.सीरियम ऑक्साइड व – पीला
क्युप्रस ऑक्साइड

<u>अभ्यास कार्य- प्रश्नोत्तर–</u>

1.धूप के चश्मे धूप पड़ने पर गहरे रंग के क्यों हो जाते हैं?
2.कठोर कांच, मृदु कांच से किस प्रकार भिन्न है?
3.फ्लिंट कांच का संयोजन बताइये?
4.कांच को अतिशीतित द्रव क्यों कहते हैं?

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- स्वाति सचान (स.अ.) यूपीएस मुहारा,जखौरा ललितपुर 9458278429

(B) असांत दशमलव संख्या/असांत आवर्ती दशमलव संख्या:- ये दो प्रकार के होते हैं :-

(1) शुद्ध असांत आवर्ती दशमलव संख्या:-

असांत आवर्ती दशमलव संख्या ही शुद्ध असांत आवर्ती दशमलव संख्या है।

उदाहरण :- 5/21 को दशमलव में व्यक्त कीजिये।

हल :-

```
21 ) 50 ( 0.238095......
     42
     ----
      80
      63
      ----
      170
      168
      -----
       200
       189
       -----
        110
        105
        -----
          5 क्रमशः
```

उत्तर- 5/21 = 0.238095.......

> **★*अभ्यास हेतु प्रश्न(A)*★**
>
> **निम्न परिमेय संख्याओं को दशमलव में बदलिए।**
>
> **(a) 2/11 (b) 1/7 (c) 5/13**

अंक समूह के निरंतर पुनरावृत्ति को दर्शाने के लिए हम उनके ऊपर रेखा खींचते हैं या प्रथम और अंतिम अंक पर बिंदु अंकित करते हैं।

उपरोक्त उदाहरण के उत्तर को हम निम्न प्रकार से भी लिख सकते हैं-

$5/21 = 0.\overline{238095}.....$ या $0.\dot{2}3809\dot{5}$

(2) मिश्रित असांत आवर्ती दशमलव संख्या:-

उदाहरण :- 1/6 को दशमलव में बदलिए।

हल :-

```
6 ) 10 ( 0.166.........
     6
    ----
     40
     36
    ----
      40
      36
    -----
       4 क्रमशः
```

> **★*अभ्यास हेतु प्रश्न(B)*★**
>
> **निम्न परिमेय संख्याओं को दशमलव में बदलिए।**
>
> **(a) 24/7 (b) 5/6 (c) 7/15**

उत्तर- 1/6 = 0.166.......या $0.1\dot{6}$

पृष्ठ संख्या 10 की उत्तरमाला-

【A】 (a) 0.75 (b) 1.4 (c) 0.15

【B】 (a) 0.444..... (b) 0.142857142...... (c) 0.3846153846.....

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नेहा सिंह (स0अ0; पू0मा0वि0 टिकरी, विकासक्षेत्र- बी0के0टी0, जनपद- लखनऊ)

मिशन शिक्षण संवाद

★दशमलव संख्या को परिमेय संख्या के रूप में व्यक्त करना :-

दशमलव संकेतन पद्धति के स्थानीय मान की तालिका निम्नवत है, जिसमें दशमलव संख्याओं को परिमेय संख्या में व्यक्त किया गया है।

दशमलव संख्या	सैकड़ा	दहाई	इकाई	दशमलव बिंदु	दशांश	शतांश	सहस्रांश
	100	10	1	•	1/10	1/100	1/1000
	पूर्णांक				दशमलव का भिन्नात्मक भाग		
0.15			0	•	1	5	
0.625			0	•	6	2	5
12.05		1	2	•	0	5	
2.125			2	•	1	2	5

हल :- (1) 0.15 = 1 दशांश + 5 शतांश
= (1/10) + (5/100)
= (10/100) + (5/100)
= 15/100 = 3/20

(2) 0.625 = 6 दशांश + 2 शतांश + 5 सहस्रांश
= (6/10) + (2/100) + (5/1000)
= (600/1000) + (20/1000) + (5/1000
= 625/1000 = 5/8

(3) 12.05 = 1 दहाई + 2 इकाई + 0 दशांश + 5 शतांश
= 12 + (0/10) + (5/100)
= 12+ (0/100) + (5/100)
= 12 + (5/100)
= 1205/100 = 241/20

(4) 2.125 = 2 इकाई + 1 दशांश + 2 शतांश + 5 सहस्रांश
= 2 + (1/10) + (2/100) + (5/1000)
= 2 + (100/1000) + (20/1000) + (5/1000)
= 2 + (125/1000)
= 2125/1000 = 17/8

★अभ्यास हेतु प्रश्न★

निम्न दशमलव संख्याओं को परिमेय संख्याओं में बदलिए।

(a) 0.35 (b) 0.750
(c) 10.5 (d) 16.375
(e) 10.10 (f) 0.015

पृष्ठ संख्या 11 की उत्तरमाला-

【A】 (a) $0.\overline{18}$ (b) $0.\overline{1428571}$
(c) $0.\overline{384615}$

【B】 (a) $3.\overline{428571}$ (b) $0.8\overline{3}$
(c) $0.4\overline{6}$

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नेहा सिंह (स0अ0; पू0मा0वि0 टिकरी, विकासक्षेत्र- बी0के0टी0, जनपद- लखनऊ)

विषय- गणित पाठ- परिमेय संख्याएँ कक्षा - 8

प्रकरण- परिमेय संख्याओं पर संक्रियाएँ क्रमांक - 10

मिशन शिक्षण संवाद

◆ परिमेय संख्या को दशमलव संख्या के रूप में व्यक्त करना :-

हम भिन्नों को दशमलव में बदलना जानते हैं। भिन्नों की भांति हम परिमेय संख्या को भी दशमलव संख्या में बदल सकते हैं।

(A) सांत दशमलव संख्या :-

भाग की संक्रिया में जब भाग की प्रक्रिया कुछ परिमित चरणों के बाद समाप्त हो जाती है तब उसे सांत दशमलव संख्या कहते हैं।

उदाहरण :- 5/8 को दशमलव में बदलिए।

हल :- 5/8=5÷8

```
8 ) 50 ( 0.625
    48
   -------
     20
     16
   -------
      40
      40
    -------
      00
    -------
```

उत्तर- 5/8= 0.625

★अभ्यास हेतु प्रश्न(A)★

निम्न परिमेय संख्याओं को सांत दशमलव में बदलिए।

(a) 3/4 (b) 7/20 (c) 11/5

(B) असांत दशमलव संख्या/असांत आवर्ती दशमलव संख्या:-

ऐसी परिमेय संख्याएं जिनको दशमलव में बदलने पर दशमलव भाग में एक अथवा एक से अधिक अंकों के समूह बार-बार आते हैं और भाग की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती है, असांत दशमलव संख्या या असांत आवर्ती दशमलव संख्या कहलाती हैं।

उदाहरण :- 1/3 को दशमलव में बदलिए।

हल :- 1/3=1÷3

```
3 ) 10 ( 0.333
     9
   -------
    10
     9
   -------
     10
      9
    -------
      1 क्रमशः
```

उत्तर- 1/3= 0.333.......

★अभ्यास हेतु प्रश्न(B)★

निम्न परिमेय संख्याओं को असांत दशमलव में बदलिए।

(a) 4/9 (b) 1/7 (c) 5/13

पृष्ठ संख्या 09 की उत्तरमाला-

(1). 3/12, 7/24, 15/48, 31/96 (2). 0 (3). (-17/24)

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नेहा सिंह (स0अ0; पू0मा0वि0 टिकरी, विकासक्षेत्र- बी0के0टी0, जनपद- लखनऊ)

विषय- हिंदी पाठ- सच्चे वीर कक्षा - 8

प्रकरण- निबंध क्रमांक - 12

मिशन शिक्षण संवाद

वीर पुरुष का शरीर कुदरत की समस्त ताकतों का भंडार है। कुदरत का यह केन्द्र हिल नहीं सकता। सूर्य का चक्कर हिल जाये तो हिल जाये परन्तु वीर के दिल में जो दैवी केन्द्र है, वह अचल है। कुदरत की नीति चाहे विकसित होकर अपने बल को नष्ट करने की हो मगर वीरों की नीति, बल को हर तरह से इकट्ठा करने और बढ़ाने की होती है। वह वीर क्या, जो टीन के बर्तन की तरह झट से गर्म और ठंडा हो जाता है। सदियों नीचे आग जलती हो तो भी शायद गर्म हो और हजारों वर्ष बर्फ उस पर जमती रहे तो भी क्या मजाल जो उसकी वाणी तक ठंडी हो। उसे खुद गर्म और सर्द होने से क्या मतलब! सत्य की सदा जीत होती है। यह भी वीरता का एक चिह्न है। विजय वहीं होती है जहाँ पवित्रता और प्रेम है। दुनिया धर्म और अटल आध्यात्मिक नियमों पर खड़ी है। जो अपने आप को उन नियमों के साथ अभिन्न करके रहता है, उसी की विजय होती है।वह पुरुष जो बल या ताक़त वाला हो या साहसपूर्ण या वीरतापूर्ण कार्य करता हो।वीर पुरुष सिर्फ बरसता हैं और कायर पुरूष सिर्फ शोर करके डराने का प्रयास करता हैं

शब्दार्थ

'सत्त्वगुण में डूबी हुई युवती कन्या' = यहाँ लेखक फ्रांस की वीरांगना 'जोन आॅफ आर्क' का उल्लेख कर रहा है, जिसने फ्रांस पर चढ़ाई करने वाले शत्रुओं का डट कर मुकाबला किया और उन्हें परास्त किया। शिकस्त = पराजय, हार। अभिव्यक्ति = प्रकट होना, प्रकाशन, व्यक्त होना। अन्तः प्रेरणा = अपने मन की प्रेरणा। अरण्य = जंगल, वन। बुजदिली = कायरता। कुदरत = प्रकृति।

उत्तर माला क्रमांक स. 6

1.आग लगने पर साथियों के साथ बाल्टी में पानी लेकर आग बुझाने की कोशिश करेंगे जले हुए लोगों को प्राथमिक चिकित्सा दिलाएंगे बाढ़ की स्थिति में तैर कर लोगों की रक्षा करने की कोशिश करेंगे।
2. सच्चे वीर पुरुष में धैर्य गंभीरता स्वाभिमान साहब आदि गुण होते हैं उनमें उच्च मनोबल पवित्रता और सब के प्रति प्रेम की भावना होती है।
3. स्वतंत्र सेवक राजा बंदी से ना नदी और प्रकृति।
4. डर से अधमरा होना- (अधिक डर जाना) सांप को सामने देखकर सीमा डर के मारे अधूरी हो गई। छाती ठोक कर आगे बढ़ना-(हिम्मत दिखाना) आतंकवादी को भागता देख कर सुरक्षाकर्मी छाती ठोक कर आगे बढ़ा। रास्ता साफ होना- (रुकावट ना होना) रास्ता साफ हो जाने पर रेलगाड़ियां लंबा चक्कर छोड़ कर अपने नियत पथ पर चलने लगी। रंग चढ़ना-(असर होना) वीर पुरुष को देखकर वीरता का रंग चढ़ना स्वाभाविक है।
दिल को बांध देना-(दिल काबू कर लेना) गांधी जी ने अपने सर्वधर्म समभाव से लोगों के दिलों को बांध लिया था।

अभ्यास कार्य

1.बादशाह द्वारा जान से मारने की धमकी देने पर गुलाम ने क्या कहा ?
2.शरीर पर जरा जोर से हाथ लगाने पर लोग मारे डर के अधमरे क्यों हो जाते हैं ?
3.लेखक ने वीरों को देवदार के वृक्षों के समान क्यों कहा है ?
4. वीरता का परिचय कब दिया देना चाहिए?
5. अपने देश के कुछ वीरों के नाम बताओ?

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- रंजना मिश्रा 9458278429

विषय- हिंदी पाठ- सच्चे वीर कक्षा -8

प्रकरण- पुनरावृत्ति क्रमांक- 13

मिशन शिक्षण संवाद

सच्चे वीर पुरुषों के धैर्य, साहस, और स्वाभिमान जैसे गुणों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया है कि वीर पुरुष प्रत्येक स्थिति में सच्चाई का साथ देते हैं। सच्चे वीर पुरुष धीर, गम्भीर और आजाद होते हैं। उनके मन की गम्भीरता और शक्ति समुद्र की तरह विशाल और गहरी तथा आकाश की तरह स्थिर और अचल होती है, परन्तु जब ये शेर गरजते हैं तब सदियों तक उनकी दहाड़ सुनायी देती रहती है और अन्य सब आवाजें बन्द हो जातीहैं।जब हम कभी वीरों का हाल सुनते हैं तब हमारे अन्दर भी वीरता की लहरें उठती हैं और वीरता का रंग चढ़ जाता है परन्तु प्राय: वह चिरस्थायी नहीं होता। इसका कारण यही है कि हम सबको केवल दिखाने के लिए वीर बनना चाहते हैं। टीन के बर्तन का स्वभाव छोड़कर अपने जीवन के केन्द्र में निवास करो और सच्चाई की चट्टान पर दृढ़ता से खड़े हो जाओ। बाहर की सतह को छोड़कर जीवन की तहों में घुसो तब नये रंग खिलेंगे।

उत्तर माला क्रमांक स.12

1.गुलाम बोला 'हाँ' मैं फाँसी पर तो चढ़ जाऊँगा, पर तुम्हारा तिरस्कार तब भी कर सकता हूँ। इस गुलाम ने दुनिया के बादशाहों के बल की हद दिखला दी।

2. केवल शरीर-रक्षा के निमित्त ये लोग इन राजाओं की ऊपरी मन से पूजा करतेहैं।

3.वे तो देवदार के वृक्षों की तरह जीवन के अरण्य में खुद ब खुद पैदा होते हैं और बिना किसी के पानी दिये, बिना किसी के दूध पिलाये, बिना किसी के हाथ लगाये तैयार होते हैं और दुनिया के मैदान में अचानक ही सामने आकर वे खड़े हो जाते हैं।

4. वीरता का परिचय गलत के विरोध मे, किसी कमजोर को सताने पर करना चाहिए।

5. महात्मा गाँधी,जवाहर लाल नेहरु, सुभाष चंद्र बोस,सरदार वल्लभ भाई पटेल,

1.सत्त्व' शब्द में 'त्व' प्रत्यय जुड़कर सत् $ त्व = सत्त्व बन गया है। नीचे लिखे शब्दों में 'त्व' जोड़कर नये शब्द बनाइए - महत्, प्रभु, तत्, वीर।

2. विलोम या निषेध के अर्थ में कुछ शब्दों के पूर्व 'अ' या 'अन्' जुड़ जाता है, जैसे-'सम्भव' से 'असम्भव' और 'आवश्यक' से 'अनावश्यक' शब्द बनता है। 'अन्' का प्रयोग उस समय होता है, जब शब्द के आरम्भ में कोई स्वर हो। अ, अन् की सहायता से नीचे लिखे शब्दों का विलोम शब्द बनाइए -
उपस्थित, स्थायी, साधारण, समान, उदार।

3. 'आल्प्स' शब्द आ $ ल् $ प् $ स् $ अ से बना है। इसमें ल्, प्, स् क्रम से तीन व्यंजन आये हं, इन्हें व्यंजनगुच्छ कहा जाता है। पाठ से इस प्रकार के व्यंजनगुच्छ वाले शब्द चुनकर लिखिए।

अभ्यास कार्य

1.सच्चा वीर कौन होता हैं?
2.वीरता की क्या पहचान हैं?
3.कायर पुरूष की क्या पहचान हैं?
4.वीर पुरुष देवदार के वृक्ष क्यों हैं?
5.निबंध के लेखक कौन हैं?

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- रंजना मिश्रा

नीचे दी गयी कविता को ध्यानपूर्वक पढ़िए-

कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ-
जिससे उथल-पुथल मच जाए,
एक हिलोर इधर से जाए,
एक हिलोर उधर से जाए,
कंठ रुका है महानाश का
मारकगीत रूद्ध होता है,
आग लगेगी क्षण में हृत्तल में
अब क्षुब्ध-युद्ध होता है।
झाड़ और-झंखाड़ दग्ध है
इस ज्वलंत गायन के स्वर से ,
रूद्ध-गीत की क्रुद्ध तान है,
निकली मेरी अन्तरता से।

शब्दार्थ

तिरस्कार = अपमान, अनादर। शेखी = हेकड़ी, शान।
काफिर = ईश्वर को न मानने वाला, सत्य को छिपाने वाला।
कलाम = वाणी, शब्द, वार्तालाप।
अटक = सिन्धु नदी।
नेपोलियन = फ्रांस का महान योद्धा (राजा)।

उत्तर माला क्रमांक स.10

1.सच्चा वीर मूसलाधार वर्षा की तरह थोड़ी देर में ही बरसने लगते हैं जबकि कायर व्यक्ति सिर गरजते हैं।
2. अपने अन्दर की वीरता को जगाने के लिए हमें क्या करना चाहिए ?
उपयुक्त कथन पर सही (✅) का चिह्न लगाइए-
(क) हथियारों को एकत्र करना चाहिए।
(ख) वाद-विवाद करना चाहिए।
(ग) सच्चाई की चट्टान पर दृढ़ता से खड़ा होना चाहिए।✅
(घ) झूठी बातें करनी चाहिए।
3. सच्चे वीर पुरुष धीर, गम्भीर और आजाद होते हैं। उनके मन की गम्भीरता और शक्ति समुद्र की तरह विशाल और गहरी तथा आकाश की तरह स्थिर और अचल होती है।

जिनकी वीरता, शौर्य-पराक्रम के किस्से और गौरवमयी संघर्ष गाथा को सुनकर हर किसी के रोंगटे खड़े हो जाते हैं।अमर राष्ट्रनायक, दृढ़ प्रतिज्ञ और स्वाधीनता के लिए जीवन दाव पर लगा दे वो सच्चा वीर हैं।निडर प्रवृत्ति, अनुशासन-प्रियता और निष्ठा, कुशल नेतृत्व क्षमता, बुजुर्गों व महिलाओं के प्रति विशेष सम्मानजनक दृष्टिकोण, ऊंच-नीच की भावनाओं से रहित, निहत्थे पर वार नहीं करने वाले, शस्त्र व शास्त्र दोनों में पारंगत एवं छापामार युद्ध कला में निपुण ही सच्चा वीर कहलाता हैं।

अभ्यास कार्य

1.किसी भी साहसपूर्ण कार्य को बहादुरी से करना वीरता कहलाती है। सोचिए और लिखिए कि आपके आस-पास घटने वाली वे कौन-कौन सी स्थितियाँ हो सकती हैं जिनमें आप बहादुरी का परिचय दे सकते हैं।

2. 'सच्चा वीर' बनने के लिए आप अपने भीतर किन गुणों को विकसित करेंगे ?

3. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखते हुए इनका वाक्य में प्रयोग कीजिए -
डर से अधमरा होना, छाती ठोंककर आगे बढ़ना, रास्ता साफ होना, रंग चढ़ना, दिल को बाँध देना।
4. आजाद, गुलाम, बादशाह, कैदी, फौज, दरिया और कुदरत उर्दू के शब्द हैं। हिन्दी में इनके समानार्थी शब्द लिखिए।

विषय- हमारा इतिहास एवं नागरिक जीवन

पाठ- भारत में अंग्रेजी राज्य की स्थापना

कक्षा 8

प्रकरण- अंग्रेजों की बंगाल विजय

क्रमांक- 11

मिशन शिक्षण संवाद

नवाब ने अंग्रेजों को हरा दिया था जैसे ही यह खबर अंग्रेज गवर्नर लॉर्ड क्लाइव को पता चली वह नौसैनिक बेड़े के साथ कोलकाता पर हमला कर दिया और एक बार पुनः कोलकाता पर अंग्रेजों का अधिकार हो गया । अंग्रेजों और नवाब सिराजुद्दौला के बीच अलीनगर की संधि फरवरी 1757 में हुई इस संधि की शर्तों के अनुसार अंग्रेजों को बंगाल बिहार और उड़ीसा में बिना चुंगी कर दिए व्यापार करने की अनुमति मिल गई और इससे अंग्रेज काफी लाभान्वित हुए।

परंतु लॉर्ड क्लाइव इतने से ही संतुष्ट नहीं था वह पूरे बंगाल पर अधिकार करना चाहता था। उसने नवाब के विरोधियों से बात करना शुरू किया और उसने देखा कि महल में बहुत सारे लोग हैं जो नवाब के विरोधी हैं। इसमें से प्रमुख था नवाब का सेनापति मीर जाफ़र। उसकी नवाब बनने की इच्छा थी। इसके लिए उसने अंग्रेजों की बात मान लिया और उनको मनचाही सुविधा देने का वचन दिया और अंग्रेजों ने भी उसको नवाब बनाने के लिए बोल दिया। इस प्रकार नवाब द्वारा बनाई जा रही योजनाओं को मीर जाफर गुप्त रूप से अंग्रेजों को दे दिया करता था।

कुछ व्यापारियों को भी इसमें अपना फायदा दिखा। इनमें प्रमुख थे राज दुर्लभ अमीचंद और जगत सेठ। षड्यंत्र बनते ही लॉर्ड क्लाइव ने नवाब को एक कूटनीतिक पत्र लिखा। जिसमें उसने नवाब के ऊपर संधि को भंग करने का आरोप लगाया और आक्रमण करने की योजना बनाई। लाइव बंगाल की राजधानी मुर्शिदाबाद की तरफ चल पड़ा उसके साथ एक बड़ी सेना भी थी।

अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1 सिराजुद्दौला के समय अंग्रजों का गवर्नर कौन था?
प्रश्न 2 अलीनगर की संधि कब हुई?
प्रश्न 3 अलीनगर की संधि किसके बीच हुई?
प्रश्न 4 क्लाइव क्यों सन्तुष्ट न था?
प्रश्न 5 नवाब का सेनापति कौन था?
प्रश्न 6 मीरजाफर क्या चाहता था?

उत्तर क्रमांक 10

उत्तर 1 जागीरें।
उत्तर 2 क्योंकि उनको लगता था कि वे उनके क्षेत्र में अधिकार न कर लें।
उत्तर 3 कम्पनी का।
उत्तर 4 युद्ध करने की धमकी।
उत्तर 5 बंगाल।
उत्तर 6 कलकत्ता

रिक्त स्थान

1 बंगाल की राजधानी ------थी।
2 अलीनगर की संधि ------ हुई।
3 अमीचंद एक -------था।
4 क्लाइव ने ----- को पत्र लिखा।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- सुधांशु श्रीवास्तव फ़तेहपुर 9458278429

विषय- हमारा इतिहास एवं नागरिक जीवन

पाठ- भारत में अंग्रेजी राज्य की स्थापना

कक्षा 8

प्रकरण- अंग्रेजों की बंगाल विजय

क्रमांक-10

मिशन शिक्षण संवाद

भारतीय राजा और नवाब अंग्रेजों को बहुत सारी जागीर दे दिया करते थे ।धीरे-धीरे अंग्रेजों ने बहुत सारी जगहों पर कोठी बनाई एवं किलेबंदी कर ली एवं वे राजाओं की आंतरिक कार्यों में हस्तक्षेप करने लगे। इससे राजाओं और नवाबों में विदेशी कंपनियों के प्रति भय व्याप्त हो गया। वस्तुतः राजा या नवाब किसी व्यापार के विरोधी नहीं थे। परंतु विदेशी कंपनियां उनके राज्य में धाक जमाए यह उनको अच्छा नहीं लग रहा था।

ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी का भारतीय राजाओं से फायदा उठाना:-
1 कंपनी के व्यापारी अपना निजी व्यापार भी कर रहे थे एवं अपने माल को कंपनी का माल बता कर उस पर कर नहीं झुकाते थे। इस तरह कंपनी तो मालामाल हो ही रही थी साथ-साथ उसके कर्मचारी भी भारत से खूब धन उगाही कर रहे थे।
2 कुछ भारतीय सेठ भी थे। जो इन कर्मचारियों की तरह ही अपने व्यवसाय को बढ़ा रहे थे और भारत का लगातार नुकसान हो रहा था
3 कंपनी की व्यापार के आड़ में राज्यों में लूट धोखाधड़ी आदि का बोलबाला हो गया था
4 राजाओं द्वारा दी गई भूमि पर अंग्रेज मन मुताबिक लगान वसूला करते थे विरोध करने पर वह युद्ध करने की धमकी देते थे।

बंगाल पर अंग्रेजों का आगमन-:
1756 मैं बंगाल का नवाब अली वर्दी कहां की मृत्यु होने के पश्चात उसका पुत्र नवाब सिराजुद्दौला गद्दी पर बैठा उसने देखा कि अंग्रेज बंगाल को बुरी तरह लूटने में लगे हैं सिराजुद्दौला ने अंग्रेजों की कोठियों पर कब्जा कर लिया उनकी सैन्य तैयारियों पर प्रतिबंध भी लगा दिया। उसने अंग्रेजों पर व्यापारिक छूट भी समाप्त कर दी इससे अंग्रेज परेशान हो गए और उन्होंने नवाब के आदेश की अवहेलना की इससे क्रुद्ध होकर नवाब ने उन्हें कोलकाता में आक्रमण कर बुरी तरह परास्त किया।

अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1 भारतीय राजा अंग्रेजों को क्या दिया करते थे?
प्रश्न 2 विदेशी कंपनियों के प्रति राजाओं में भय क्यों व्याप्त था?
प्रश्न 3 कंपनी के व्यापारी अपने माल को किसका माल बताते थे?
प्रश्न 4 लगान वसूली का विरोध करने पर अंग्रेज क्या करते थे?
प्रश्न 5 सिराजुद्दौला कहां का नवाब था?
प्रश्न 6 सिराजुद्दौला ने अंग्रेजों को कहां पर हराया?

उत्तर क्रमांक 9

उत्तर 1 लगान वसूलती थीं।
उत्तर 2 1760
उत्तर 3 फ्रांसीसियों को
उत्तर 4 तीन
उत्तर 5 1746
उत्तर 6 1749

रिक्त स्थान उत्तर

1 1760
2 लगान
3 व्यापार
4 किलेबन्दी

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- सुधांशु श्रीवास्तव फ़तेहपुर 9458278429

विषय- उर्दू पाठ- 2गालिब के खतूत कक्षा - 8th

प्रकरण- ग़ालिब के खत के जरिये उर्दू जबान का विकास करना क्रमांक- 9

मिशन शिक्षण संवाद

ग़ालिब के पहले खत का दूसरा हिस्सा

बच्चों ये हिस्सा ग़ालिब के पहले खत का है। इसमें ग़ालिब ने अपने दोस्त को खतूत के मुतालल्लिक बताया है। कि किस तरह उनके पास रोज दो दो चार चार खत आते हैं जो उनको तन्हाई का अहसास नही होने देते।

بچوں یہ حصہ غالب کے پہلے خط کا ہے اس میں غالب نے اپنے دوست کو خطوط کے متعلق بتایا ہے کہ کس طرح ان کے پاس روز دو دو چار چار خط آتے ہیں جو ان کوتنہائی کا احساس نہیں ہونے دیتے

खुदा का अहसान है कि कोई दिन ऐसा नही होता जो अतराफ ओ जानिब से दो चार खत नही आ रहते हैं। बल्कि ऐसा दिन भी होता है कि दो दो बार डाक का हरकारह खत लाता है। एकदो सुबह को और एक दो शाम को। मेरी दिल लगी हो जाती है। दिन इनके पढ़ने और जवाब देने मे गुजर जाता है, ये क्या सबब ? दस दस बारह दिन से तुम्हारा खत नही आया। यानि तुम नही आये, खत लिखो साहब न लिखने की वजह लिखो, आध आने मे बुख्ल न करो। ऐसा ही है तो बैरंग भेजो।
सोमवार 27दिसम्बर
1858ई. गालिब

خدا کا احسان ہے کہ کولی دن ایسا نہیں ہوتا جو اطراف و جوانب سے دوچار خط نہیں آرہتے ہیں ۔ بلکہ ایسا دن بھی ہوتا ہے کہ دو دو بار ڈاک کا ہر کارہ خط لاتا ہے۔ ایک دو صبح کو اور ایک دوشام کو۔ میری دل لگی ہوجاتی ہے۔ دن ان کے پڑھنے اور جواب لکھنے میں گزر جاتا ہے۔ یہ کیا سبب؟ دس دس بارہ بارہ دن سے تمہارا خط نہیں آیا۔ یعنی تم نہیں آئے خط لکھو صاحب نہ لکھنے کی وجہ لکھو ۔ آدہ آنے میں بخل نہ کر وایسا ہی ہے تو بیرنگ بھیجو ۔
سوموار ۔ 27دسمبر 1858ء غالب

कितना सीखा

बच्चों आपने गालिब का खत पढ़ा कैसा लगा। क्या आप को ये महसूस नही हुआ कि जैसे दो शख्स आमने सामने बैठे आपस में बातें कर रहे हैं। ग़ालिब के इस अंदाज़ ने नसर निगारी को ज्यादा सलीस और रवॉ बनाया। और नसर निगारी मे खत लिखने की एक ऐसी तर्ज असलूब की बुनियाद रखी जिसके सामने सभी फनकारो को उनके सलीस अंदाज का कायल होना पड़ा।

کتنا سیکھا

بچوں آپ نے غالب کا یہ خط پڑھا. کیسا لگا. کیا آپ کو یہ محسوس نہیں ہوا کہ جیسے دو شخص آمنے سامنے بیٹھے آپس میں باتیں کر رہے ہوں غالب کے اسی انداز نے نثر نگاری کو زیادہ سلیس اور رواں بنایا. اور نثر نگاری میں خط لکھنے کی ایک ایسی طرز اسلوب کی بنیاد رکھی جس کو سبھی لکھنے والوں کو غالب کے سلیس انداز کا قائل ہونا پڑا.

क्रमांक 8के उत्तर

✍️1खत किसी कागज या कार्ड पर लिखी हुई तहरीर को कहते हैं।
✍️2खत को लेटर बॉक्स मे डाला जाता है।
✍️3खत को लेकर डाकिया आता है।

پیپر 8 کے جواب

✍️1خط کسی کاغز یا کارڑ پر لکھی ہوئی تحریر کو کہتے ہیں.
✍️2خط ک کو لیٹر باکس میں ڈالا جاتا ہے.
✍️3خط کو لے کر ڈاکیہ آتا ہے.

مشق

✍️1غالب نے یہ خط کس کے نام لکھا ہے ؟
✍️2غالب کے پاس ایک دن میں کتنے خط آتے ہیں ؟
✍️3غالب کو خط کا جواب لکھنے میں کتنی دیر لگتی ہے ؟
✍️4یہ خط کب لکھا گیا ؟
✍️5غالب نے خط کے بجائے کیا بھیجنے کو کہا ہے ؟

अभ्यास कार्य

✍️1गालिब ने ये खत किस के नाम लिखा है?
✍️2गालिब के पास एक दिन में कितने खत आते हैं?
✍️3गालिब को खत का जवाब लिखने में कितनी देर लगती है?
✍️4ये खत कब लिखा गया?
✍️5गालिब ने खत के बजाय क्या भेजने को कहा है?

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- तसलीम जहाँ कम्पोजिट स्कूल दुर्वेशपुर परीक्षित गढ मेरठ

विषय- गृह शिल्प पाठ- स्वच्छता कक्षा - 8

प्रकरण- पर्यावरणीय स्वच्छता क्रमांक- 6

मिशन शिक्षण संवाद

पर्यावरणीय स्वच्छता

पर्यावरणीय स्वच्छता में हमारे घर, आस-पास व सार्वजनिक स्थानों तथा अपने चारों ओर के वातावरण की स्वच्छता आती है। इसकी स्वच्छता के अभाव में हमें स्वच्छ तथा कीटाणु रहित जल, वायु तथा भोजन नहीं मिल पाता है, जिनसे हमारे शरीर में तरह-तरह की बीमारियाँ हो जाती हैं।

हमें अपने पर्यावरण को साफ तथा रोगरहित बनाने में निम्नलिखित उपाय करना चाहिए-

खाने की सड़ी-गली चीजें इधर-उधर न फेंक कर कूड़ेदान में फंेकना चाहिए, या अपने बगीचे में एक गड्ढा खोदकर उसमें डालना चाहिए, जिससे एक अच्छी खाद तैयार हो सकती है।

जल स्रोत के समीप नहाना, कपड़े धोना, पशुओं को नहलाना एवं शौच नहीं करना चाहिए।

बाज़ार से सामान लाने के लिए घर से कपड़े का थैला ले जाना चाहिए। प्लास्टिक पैक सामानों का कम से कम प्रयोग करना चाहिए।

स्कूटर, कार एवं अन्य वाहनों से निकलने वाले धुएँ को जाँच करा कर नियंत्रित रखना चाहिए।

पटाखे सार्वजनिक स्थानों पर नहीं छुड़ाना चाहिए।

उद्योगों के अपशिष्ट पदार्थों को नदियों व तालाबों में नहीं बहाना चाहिए।

कारखानों को शहर से दूर लगाना तथा इनकी चिमनियों को फिल्टर युक्त एवं ऊँचा रखना चाहिए।

प्रतिदिन के प्रयोग में आने वाले सामानों की सफाई

अपने घर में प्रतिदिन प्रयोग में आने वाले सामानों की सूची बनाइए तथा उनका उपयोग बताइए।

क्रमांक	सामान का नाम	उपयोग
1.	बर्तन	खाना बनाने तथा खाने के लिए
2.	कुर्सी-मेज	बैठने के लिए

इन सामानों की हमें सफाई एवं सुरक्षा भी करनी पड़ती है।

आप अपने घर के सामान की सफाई और सुरक्षा कैसे करते हैं ?

क्रमांक : सामान का नाम : सफाई कैसे करते हैं? : सुरक्षा कैसे करते हैं?

1: शर्ट, फ्रॉक: साबुन एवं पानी से धोकर: सुखाने के बाद प्रेस करके आलमारी में रखना

2: दाँतों का ब्रश: मंजन करने के बाद साफ पानी से धोकर: स्वच्छ तथा निश्चित स्थान पर रखना

घर के सामान का उपयोग करके उसकी सफाई के उपरांत सुरक्षित एवं निर्धारित स्थान पर रख देने से वस्तु खराब नहीं होती हैं तथा आवश्यकता पड़ने पर आसानी से मिल जाती हैं।

अभ्यास कार्य

(1) पर्यावरणीय स्वच्छता में कौन-कौन सी स्वच्छता आती है ?

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) बालों की सफाई ..... है। (व्यक्तिगत स्वच्छता, पर्यावरणीय स्वच्छता)

(ख) घर, आस-पड़ोस तथा सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता ..... स्वच्छता के अंतर्गत आती है। (पर्यावरणीय, व्यक्तिगत)

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- रीना स. अ. प्रा. चौकरी बंगरा झाँसी 9458278429

विषय- उर्दू **पाठ-**2ग़ालिब के खतूत **कक्षा** - 8th

प्रकरण-गतिविधि के द्वारा शब्दों की पहचान कराना **क्रमांक**- 12

मिशन शिक्षण संवाद

مصدر کی تعریف

قواعد

مصدر اس اسم کو کہتے ہیں. جو کسی کا نام بتائے. اور خود کسی دوسرے لفظ سے نہ بنا ہو. لیکن دوسرے اسم اود فعل اس سے بنتے ہوں. مصدر کے اخر میں ہمیشہ "نا "ہوتا ہے جیسے -دوڑنا -چلنا -بنانا وغیرہ

व्याकरण

मसदर की परिभाषा

मसदर उस इस्म को कहते हैं। जो किसी का नाम बतायेऔर खुद किसी दूसरे लफ्ज़ से न बना हो। लेकिन दूसरे इस्म और फआल (फैल) इस से बनते हों। मसदर के आखिर में हमेशा "ना "होता है। जैसे -दौड़ना -चलना -बनाना आदि।

शब्द	अर्थ
क़ौल	कहना
खुशनूदी	खुशी
बन आना	मुराद हासिल
पिन काल	होना
मुकम्मल	पानी का क़हत
बुख्ल	पूरा
	कंजूसी

गतिविधि / سرگرمی

मिशन शिक्षण संवाद

गतिविधि / سرگرمی

बच्चों आज हम अहम शख्सियात के नाम की तलाश करेंगे। जो बच्चा नाम को पहचान कर उस खाने में कूद लगाकर आयेगा। उस के लिए सब बच्चे ताली बजायेंगे।

بچوں اج ہم اہم شخصیات کے نام کی تلاش کریں گے. جو بچہ نام کو پہچان کر اس خانے میں کود کر ائے گا, اس کے لئے سب بچے تالی بجائیں گے.

शायर شاعر	**खतूत** خطوط	**असादुल्लाह खां ग़ालिब** اسدالہ خاں غالب
खत خط	**मिर्ज़ा ग़ालिब** مرزا غالب	**लिफाफा** لفافہ
मिर्ज़ा तफता مرزا تفتہ	**लेटर बॉक्स** لیٹر باکس	**नसर निगार** نثر نگار
मीर मेहदी मजरूह میر مہدی مجروح	**नाटक** ناٹک (ڈراما)	**कूद कर खाने में जाओ।**

الفاظ	معنی
قول	کہنا
بن آنا	مراد حاصل
پن کال	ہونا
مکمل	پانی کا قحط
بخل	پورا
	کنجوسی

अभ्यास कार्य

👉1"मैं इस तन्हाई मे सिर्फ खतों के सहारे ही जीता हूँ "से क्या मतलब है?

👉2रामपुर से ग़ालिब का क्या तआल्लुक था?

👉3जब ग़ालिब रामपुर गये तो लोग क्या कहते थे?

👉4पिन काल से ग़ालिब क्या मुराद लेते हैं?

مشق /گھر کا کام جواب لکھیں

👉1"میں اس تنہائی میں صرف خطوں کے سہارے ہی جیتا ہوں "سے کیا مطلب ہے ؟

👉2رامپور سے مرزا غالب کا کیا تعلق تہا ؟

👉3جب غالب رامپور گئے تو لوگ کیا کہتے تھے ؟

👉4پن کال سے غالب کیا مراد لیتے ہیں ؟

नोट-- सभी छात्र शब्द अर्थ को याद करके बिना देखे अपनी कॉपी पर सफाई से लिखेंगें।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- तसलीम जहाँ कम्पोजिट स्कूल दुर्वेशपुर परीक्षित गढ मेरठ

विषय- गृह शिल्प पाठ- संरक्षण कक्षा - 8

प्रकरण- संरक्षण क्या है क्रमांक- 8

मिशन शिक्षण संवाद

सभी खाद्य-सामग्रियों को सुरक्षित रखने के लिए उनका संरक्षण करना आवश्यक है। मगर यह ध्यान रहे, कि सभी खाद्य-सामग्रियों को हम एक ही ढंग से संरक्षित नहीं करते हैं। हम खाद्य-सामग्रियों की नष्ट होने की क्षमता को ध्यान में रखकर उनका रख-रखाव करते हैं।" हम भोज्य-पदार्थों के नष्ट होने की क्षमता को ध्यान में रखते हुए उन्हें निम्नवत् दो भागों में विभाजित कर लेते हैं-

1. शीघ्र नष्ट न होने वाले पदार्थ- इसके अंतर्गत खाद्यान्न, दालें, मसाले, सूखे मेवे, घी, तेल आते हैं।
2. शीघ्र नष्ट होने वाले पदार्थ- इसके अंतर्गत दूध, दूध से बने पदार्थ, फल, सब्जियाँ, अंडा, मांस एवं मछली आते हैं।

सीमा को चिंता हो गई थी क्योंकि उसके घर में बहुत से सामान खराब हो रहे थे। सीमा ने कहा, कि मम्मी आप घर का काम करके इतना थक जाती हैं कि आपको खाद्य-पदार्थों को सुरक्षित रख पाने का ध्यान नहीं रहता है। यदि आप मुझे इन्हें सुरक्षित रखने का तरीका बता देगीं तो आगे से मैं ध्यान रखूँगी तथा घर के सदस्यों की मदद से मैं उन्हें सुरक्षित रखने का प्रयास करूँगी।
मम्मी ने सीमा से कहा-सबसे पहले हम खाद्य-पदार्थों को उनकी प्रकृति के आधार पर सुरक्षित रखने के तरीकों से परिचित कराएंगे-

शीघ्र नष्ट न होने वाले पदार्थों का संरक्षण

इस श्रेणी के खाद्य-पदार्थों में नमी की मात्रा कम होती है इसलिए ये देर से नष्ट या खराब होते हैं। कुछ दिनों के अंतराल पर इन्हें धूप में रखा जाना उपयुक्त होता है। अनाज, दालें, मसाले, सूखे मेवे इस श्रेणी में आते हैं। इस श्रेणी के खाद्य-पदार्थों को हम निम्नवत् विधियों से संरक्षित करते हैं-

(अ) घरेलू विधि -
(ब) कीटनाशक दवाओं का प्रयोग
(स) फ्यूमीगेशन विधि

शीघ्र नष्ट होने वाले पदार्थों का संग्रह

इस समूह में ऐसे भोज्य पदार्थ आते हैं, जो अधिक नमीयुक्त होते हैं जैसे- दूध, दही, फल, सब्जियाँ, अंडा, मांस, मछली। ऐसे पदार्थों को यथासंभव ताजा ही खाना ठीक रहता है यदि फल एवं सब्जियाँ एक या दो दिन रखनी भी पड़े तो उन्हें सुरक्षित रखा जाना आवश्यक हैं इन्हें निम्नवत् विधियाँ अपनाकर सुरक्षित रख सकते हैं।

अभ्यास कार्य

(1) क्या सभी खाद्य सामग्रीयो एक ही ढंग से संरक्षण किया जाता है ?
(2) भोज्य-पदार्थों के नष्ट होने की क्षमता को ध्यान में रखते हुए उन्हें कितने भागों में विभाजित कर सकते है?
(3) भोज्य पदार्थों के संरक्षण से आप क्या समझते है ?
(4) शीघ्र नष्ट न होने वाले पदार्थों तथा शीघ्र नष्ट होने वाले पदार्थों के 5-5 उदाहरण लिखो।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- रीना स. अ. प्रा. चौकरी बंगरा झाँसी 9458278429

विषय- गृह शिल्प पाठ- संरक्षण कक्षा - 8

प्रकरण- संरक्षण क्या है क्रमांक- 7

मिशन शिक्षण संवाद

सुबह हुई। सीमा की मम्मी रसोईघर में चाय बनाने गईं मगर यह क्या ? दूध तो फट गया है। बच्चों को स्कूल जाना है। दूध देना है। नाश्ते में दूध से दलिया बनाना है। सीमा की मम्मी परेशान हो गई। उन्होंने दूध वाले को बुलाया और डाँटने लगीं। क्या कारण है कि तुम्हारा दिया हुआ दूध प्राय: फट जाया करता है ? दूध वाले ने कहा, 'केवल आपके ही घर में ऐसा क्यों होता है ?' मैं तो कई घरों में दूध देता हूँ। कहीं से भी ऐसी शिकायत नहीं मिलती। सीमा की मम्मी ने सोचा - "ठीक ही तो कह रहा है। कहीं इसमें मेरी तो कोई गलती नहीं है ? अब मैं दूध के रख-रखाव का उचित ध्यान रखूँगी।" सीमा ने कहा- "पापा जो फल एवं सब्जियाँ बाजार से खरीदकर ले आते हैं, वह भी सड़ जाती हैं। ऐसा क्यों है मम्मी ?" सीमा की मम्मी ने निश्चय कर लिया कि अब वह अपने घर की खाद्य-सामग्री की देख-रेख उचित ढंग से करेंगी। यदि खाद्य-सामग्री का संरक्षण किया गया होता तो वह खराब न होतीं।

आइए जानें, संरक्षण (Preservation) क्या है

गर्मी एवं नमी, दोनों ही स्थितियों में जीवाणु एवं फफूँदी शीघ्रता से पनपते हैं। जीवाणु एवं फफूँद वायु में हमेशा विद्यमान रहते हैं। यही खाद्य-पदार्थों को सड़ाने का भी कार्य करते हैं। यदि खाद्य-पदार्थों में इनके बढ़ने पर नियंत्रण पा लिया जाए तो भोजन को सड़ने से बचाया जा सकता है। यही नियंत्रण, भोज्य-पदार्थों का संरक्षण कहलाता है।

सीमा ने मम्मी से पूछा- "यदि हम भोज्य पदार्थों या खाद्य-सामग्री का संरक्षण न करें तो क्या नुकसान होगा ?"

मम्मी ने बताया, खाद्य-सामग्री (खाने वाली सामग्री) का उचित रख-रखाव या संरक्षण न किए जाने पर कई नुकसान होते हैं। आइए बताती हूँ-

1. उनमें घुन एवं फफूँद लग जाती हैं।
2. उनके रूप, रंग एवं गंध में परिवर्तन आ जाता है।
3. स्वाद खराब हो जाता है।
4. खाद्य-सामग्री के पोषक तत्वों में कमी आ जाती है।
5. घुन एवं कीड़े-मकोड़ों द्वारा निकलने वाले उत्सर्जी पदार्थों का सामग्री में मिल जाने से खाद्य सामग्री विषैली भी हो सकती है।

अभ्यास कार्य

(1) सीमा की मम्मी क्यूँ परेशान हो रही थी ?
(2) दुध वाले ने क्या जबाब दिया ?
(3) भोज्य पदार्थों के संरक्षण से आप क्या समझते है ?
(4) संरक्षण न करने से क्या नुकसान होता है?
(5) भोज्य पदार्थ खराब होने के क्या क्या कारण होते है ?

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- रीना स. अ. प्रा. चौकरी बंगरा झाँसी 9458278429

Subject - उर्दू Chapter- 2गालिब के खतूत Class - 8th

Topic - ग़ालिब के खत के जरिये ग़ालिब के हालात की जानकारी देना। S.N. - 11

मिशन शिक्षण संवाद

बच्चों आज हम आप को गालिब के द्वारा लिखे हुए दूसरे खत के बारे में जानकारी देंगे।
ये खत भी उन्होने अपने दोस्त मिर्जा तफता के नाम ही लिखा है।

मिर्जा तफता के नाम

मिर्जा तफता, इस गमजदगी में मुझ को हंसाना तुम्हारा ही काम है।...... मियां मैं जो आखिर जनवरी को रामपुर जाकर आखिर
मार्च मे यहां आ गया हूं,तो क्या कहूं कि यहां के लोग मेरे हक़ मे क्या क्या कुछ कहते हैं।
एक गिरोह का कौ़ल है कि ये शख्स वाली रामपुर का उस्ताद था। और वहां गया था। अगर नवाब ने कुछ सलूक न किया होगा तो भी चार हजार से कम न दिया होगा।, एक जमाअत कहती है कि नोकरी के लिए गये थे।
मगर नोकर न रखा। एक फिरक़ा कहता है कि नवाब ने नोकर रख लिया था,दो सौ रूपया महीना कर दिया था। लेफ्टिनेन्ट गवर्नर इलाहाबाद जो रामपुर आऐ। और उनको गालिब का वहां होना मालूम हुआ तो उन्होने नवाब साहब से कहा कि अगर हमारी खुशनुदी चाहते हो तो इसको जवाब दो। नवाब ने बरतरफ कर दिया, ये सब तो सुन लिया, अब तुम असल हक़ीकत सुनो, नवाब युसुफ अली खान बहादुर बीस तीस बरस के मेरे दोस्त और पांच छ: बरस से मेरे शागिर्द हैं। आगे गाहे ब गाहे कुछ भेज दिया करते थे। अब जौलाई 1859ई.से सौ रूपया महीना माह ब माह भेजते हैं। बुलाते रहते थे, अब मैं गया, दो महीने रहकर चला आया। ब शर्त ए हयात बरसात मे फिर जाऊंगा, वह सौ रूपया महीना, यहॉं रहूं, वहां रहूं, खुदा के हॉं से मेरा मुकर्रर है।

بچوں آج ہم آپ کو غالب کے زریعے لکھے ہوئے دوسرے خط کے بارے میں جانکاری دیں گے یہ خط بھی انہوں نے مرزا تفتہ کے نام ہی لکھا ہے.

مرزا ، اس غمزدگی میں مجھ کو منانا تمہارا ہی کام ہے۔ میاں ہیں جو آخر جنوری کو رام پور جا کر آخر بارے میں یہاں آگیا ہوں تو کیا کہوں کہ یہاں کے لوگ میرے حق میں کیا کیا کچھ کہتے ہیں ۔ ایک گروہ کا قول یہ ہے کہ یہ شخص وای رام پور کا استاد تھا اور وہاں گیا تھا اگر نواب نے پیچھے سلوک نہ کیا ہو گا تو کبھی چار ہزار روپے سے کم نہ دیا ہو گا ۔ ایک جماعت کہتی ہے کہ نوکری کے لئے گئے تھے۔ مگر نوکر نہ رکھا۔ ایک فرقہ کہتا ہے کہ نواب نے نوکر رکھ لیا تھا۔ دو سو روپے مہینہ کر دیا تھا۔ الثنٹ گورنر الہ آباد جو رام پور آئے اور ان کو غالب کا وہاں ہونا معلوم ہوا تو انہوں نے نواب صاحب سے کہا کہ اگر ساری خوشنودی چاہتے ہو تو اس کو جواب دو، نواب نے برطرف کر دیا۔ یہ سب تو سن لیا۔ اب اصل حقیقت سنو نواب یوسف علی خاں بہار میں تمہیں برس کے میرے دوست اور پانچ چھ برس سے میرے شاگرد ہیں ۔ آگے گا ہ گاہ بھیج دیا کرتے تھے۔ اب جولائی ۱۸۵۹ ء سے سوروپے مہینہ ماہ بہ ماہ کیئے ہیں ۔ بلاتے رہتے تھے۔ اب میں گیا، دو مہینے رہ کر چلا آیا۔ شرط حیات بعد برسات کے پھر جاؤں گا ۔ وہ سور و پیر ہیں، یہاں رہوں ، وہاں رہوں ، خدا کے ہاں سے میرا مقرر ہے۔

ہم نے سیکھا

۳۱ مارچ ۸۲۰ اء
غالب

بچوں آج ہم نے مرزا غالب کے زریعے لکھے ہوئے دوسرے خط کے بارے میں پڑھا. انہوں نے یہ خط بھی مرزا تفتہ کے نام لکھا ہے. اس خط میں انہوں نے اپنی معاشی زندگی میں پیسے کی کمی کا زکر کیا. اور ایسے لوگوں کی طرف بھی اشارہ کیا ہے جو مرزا غالب سے ہمیشہ خفا رہتے تھے.

پیج 9 کے جواب

✍1غالب نے یہ خط اپنے دوست مرزا تفتہ کے نام لکھا ہے.
✍2غالب کے پاس ایک دن میں چار چار خط آتے ہیں.
✍3کبھی کبھی غالب کو خط کا جواب دینے میں ایک دن لگ جاتا ہے.
✍4یہ خط دسمبر 1858ء میں لکھا گیا.
✍5غالب نے خط کے بجائے بیرنگ بھیجنے کو کہا ہے.

क्रमांक 9के उत्तर

✍1गालिब ने ये खत अपने दोस्त मिर्जा तफता के नाम ही लिखा है।
✍2गालिब के पास एक दिन में चार चार खत आते हैं।
✍3कभी कभी गालिब को खत का जवाब देने मे एक दिन लग जाता है।
✍4ये खत दिसम्बर 1858ई.मे लिखा गया।
✍5गालिब ने खत के बजाय बैरंग भेजने को कहा है।

हमने सीखा

बच्चों आज हम ने मिर्जा ग़ालिब के द्वारा लिखा गया दूसरा खत पढ़ा। ये खत भी उन्होने अपने दोस्त मिर्जा तफता के नाम ही लिखा है। इस खत मे उन्होने अपनी मआशी जिन्दगी (घरेलू ज़िन्दगी) में पैसे की कमी का जिक्र भी किया और उन लोगों की तरफ भी इशारा किया जो लोग हमेशा उन से खफा रहते थे।

✍✍✍✍

सभी बच्चे ग़ालिब के खत को याद करके बिना देखे लिखने का प्रयास करेंगे। जो बच्चे कार्य सफाई और ध्यान से करेंगे उनके लिए 👏👏👏👏🌹🌹

جو بچے بغیر دیکھے غالب کے خط کو لکھنے کی کوشش کریں گے اور جو بچے کام کو صفائی اور دھیان سے کریں گے ان کے لئے 👏
🌹🌹🌹🌹🌹👏👏👏👏

9458278429
Made by- तसलीम जहाँ कम्पोजिट स्कूल दुर्वेशपुर परीक्षित गढ मेरठ

नीचे लिखे निम्न उपसर्गों को याद करें--

1-अनु- पीछे-अनुकरण, अनुसरण, अनुज।
2- अन्-नहीं, अनुपस्थिति, अनावश्यक।
3- दुर्- बुरा/कठिन-दुर्बल, दुर्जन, दुर्बल।
4- कु-बुरा- कुरीति, कुपुत्र, कुमति, कुसंग।
5- प्र- आगे/अधिक-प्रगति, प्रताप, प्रसार।

रचनात्मक गतिविधि

बच्चों! आपने क्रमांक 11में पढ़ाये गये सभी उपसर्गों को समझ लिया होगा और याद भी कर लिया होगा।

आप विभिन्न उपसर्ग लगाकर बनने वाले नये शब्दों में होने वाले अर्थ-परिवर्तन को समझें और याद किए उपसर्गों को विभिन्न रंगों के चार्ट पेपर पर सुन्दर-सुन्दर लिखना होगा।

उदाहरण- 1-स्व+ देश= स्वदेश= अपना देश।
2-उप+देश= उपदेश=शिक्षा।
3-सु+पुत्र= सुपुत्र= अच्छा बेटा।
4- आ+देश=आदेश=आज्ञा।
5- वि+देश=विदेश= दूसरा देश।
6- सम्+देश= संदेश= ख़बर।

सीखने का प्रतिफल (learning outcome)

1- बच्चों में मानसिक व तर्क शक्ति का विकास।
2- शब्द भण्डार का ज्ञान आसानी व सहजता से हो जायेगा।
3- स्वयं करके सीखने से याद करने के साथ ही समूह में काम करने की क्षमता का विकास होना।
4- रचनात्मक कौशल में वृद्धि।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kgbu Kasganj

मिशन शिक्षण संवाद

वन

परिभाषा

जहाँ सघन रूप से पेड़-पौधे, वनस्पतियाँ विविध प्रकार के जीव जन्तु पाये जाते हैं उसे वन कहते हैं।

वनों की उपयोगिता

1- वनों से हमें शुद्ध वायु एवं जल मिलता है।
2- भोजन के लिए फल एवं सब्जियाँ भी वन से मिलती हैं।
3- इमारती लकड़ियाँ जैसे- शीशम, साखू, सागौन, आम,नीम,आदि भी वन से मिलती हैं।
4- वन तेज वर्षा में मिट्टी के कटाव को कम करता है।
5-वनों से हमें कागज, दियासलाई, रेशम आदि उद्योगों के लिये कच्चा माल मिलता है।
6-विभिन्न प्रकार की जडी-बूटियाँ, गोंद, रबर, छाल , लाख आदि भी वनों से मिलता है।
7-वनों में बहुत से पक्षी पेड़ों पर घोंसला बना कर रहते हैं जैसे- गौरैया, तोते, कबूतर
8- अनेक जानवर जैसे- शेर, हाथी, हिरन, सियार झाड़ियों या गुफाओं में रहते हैं।

1- नीम

2-ईसबगोल बीज

3-सिनकोना

4-जामुन

5-यूकेलिप्टस

6-मुलेठी

क्र.	पौधे का नाम	उपयोगी भाग	औषधीय गुण
1	नीम	पत्ती	खून साफ करना
2	ईसबगोल बीज	भूसी	पेचिस या कब्ज ठीक करना
3	सिनकोना	छाल	मलेरिया की दवा
4	जामुन	बीजों का चूर्ण	शुगर में लाभदायक
5	यूकेलिप्टस	तेल	जुकाम की दवा
6	मुलेठी	जड़	गले की खराश

वनों की संख्या कम होने के कारण

मानव ने जबसे कृषि का कार्य आरम्भ किया है तो उसने केवल घास के मैदान ही नहीं काटे बल्कि वनों का विनाश भी किया है। इसके अतिरिक्त उद्योगों की स्थापना ,रेलवे निर्माण, सड़क निर्माण, आदि के परिणामस्वरूप भी वनों को काटा गया है।

विलुप्त प्रजातियाँ

पशु -पक्षियों की वह प्रजातियाँ जो पूरी तरह खत्म हो गई हैं उन्हें विलुप्त प्रजाति कहते हैं जैसे-डायनासोर, मेमथ।

संकटग्रस्त प्रजातियाँ

वह प्रजातियाँ जो खत्म होने की कगार पर हैं उन्हें संकटग्रस्त प्रजातियाँ कहते हैं जैसे- बाघ,गिद्ध।

उत्तरमाला क्रमांक - 10

1- वाष्पीकरण
2- संघनन
3- प्रकाश संश्लेषण
4- गैसीय अपशिष्ट
5- जल चक्र

उत्तरमाला

वर्ग पहेली में 5 इमारती लकड़ियों के पेड़ छांटिए

गी	आ	भे	सा	खू
नी	म	ठ	फ	बे
छ	ती	से	शी	सा
भु	दे	त्र	रा	गो
ल	बे	फा	म	न

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- शबनम. तौक़ीर(लखनऊ),शीला सिंह(ग़ाजीपुर)

विषय- **कंप्यूटर** पाठ- **कंप्यूटर** कक्षा -UPS

प्रकरण- **पर्सनल कंप्यूटर** क्रमांक- **8**

मिशन शिक्षण संवाद

पर्सनल कम्प्यूटर के भाग एवं कार्य

पर्सनल कम्प्यूटर को तीन भागों में बाँटा जा सकता है-डेस्कटॉप, लैपटॉप एवं पामटॉप

डेस्कटॉप कम्प्यूटर (Desktop Computer)

पर्सनल कम्प्यूटर का सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाने वाला डेस्कटॉप कम्प्यूटर है। यह एक ऐसा कम्प्यूटर है जिसे किसी मेज पर रखकर प्रयोग किया जाता है इसलिए इसे डेस्कटॉप या डेस्कटॉप पी.सी. के नाम से जाना जाता है।

लैपटॉप कम्प्यूटर (Laptop Computer)

ये कम्प्यूटर वे होते हैं जिनको व्यक्ति अपनी गोद में रखकर कार्य कर सकता है। यह साईज में बहुत छोटे होते हैं। इन कम्प्यूटर को व्यक्ति एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से ले जा सकते हैं। इनमें पावर के लिए बैटरी और ए.सी. विद्युत दोनों का प्रयोग किया जा सकता है।

पामटॉप कम्प्यूटर (Palmtop Computer)

ये कम्प्यूटर लैपटॉप कम्प्यूटर से छोटे होते हैं। इनको हथेली पर रखकर चलाया जाता है तथा व्यक्ति अपनी जेब में रख सकता हैं। आजकल मोबाइल में भी यह सुविधा उपलब्ध होने लगी है। पामटॉप कम्प्यूटर में कैलकुलेटर के समान बटनों वाला की-बोर्ड होता है और एक छोटी स्क्रीन होती है। यह बैटरी से चलाया जाता है।

पर्सनलकम्प्यूटरकेमुख्यकार्य-

इनकाप्रयोगइण्टरनेटकेउपयोगके लिएकियाजासकताहै।

शब्दएवंगणनाओंकाप्रयोग, सांख्यिकीगणनाआदिमेंइनकाप्रयोग कियाजासकताहै।

प्रेजेन्टेशनबनाने,बच्चोंकेगेमखेलनेमें इनकाप्रयोगकरतेहैं।

सॉफ्टवेयरनिर्माणकरनेमेंभीपर्सनल कम्प्यूटरकाप्रयोगकियाजाताहै।

गृहकार्य

प्र,1. पर्सनल कंप्यूटर को कितने भागों में बांटा जा सकता है?

प्र2. पर्सनल कंप्यूटर के मुख्य कार्य क्या हैं?

उत्तरमाला

उ.1 निर्देशों का एक सेट को एक विशेष कार्य करता है, प्रोग्राम या सॉफ्टवेयर कहलाता है।

उ.2 4 प्रकार–सिस्टम सॉफ्टवेयर, एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर, पैकेजेस, यूटिलिटीज।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- भारती मांगलिक, बुलंदशहर

आओ बच्चों आलेखन बनायें व रंग भरें।

अंतिम आलेखन कॉपी मे बनायें ।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नीरा चौहान प्रा०वि० फुगाना–2,मुजफ्फरनगर

विषय- हमारा पर्यावरण **पाठ-** मिट्टी और वायु **कक्षा -**जूनियर

प्रकरण-जल चक्र, आकसीजन और कार्बनडाइऑक्साइड **क्रमांक - 10**

मिशन शिक्षण संवाद

जलचक्र-

प्रकृति में जल चक्र

पृथ्वी पर जल स्रोतों का जल निरन्तर भाप में बदलता रहता है, इस प्रकिया को वाष्पीकरण कहते हैं। अधिक तापमान पर अधिक और कम तापमान पर कम वाष्पीकरण होता है। वायु में इसी जल वाष्प को आद्रता या नमी कहते हैं ।

वाष्प वायुमण्डल में जाता है फिर संघनित होकर बादल बनता है और फिर बादल बनकर ठोस (हिमपात) या द्रव रूप में वर्षा के रूप में बरसता है। हिम पिघलकर पुनः द्रव में परिवर्तित हो जाता है। इस तरह जल की कुल मात्रा स्थिर रहती है।

जल का स्थलमंडल, जलमंडल और वायुमंडल मे निरन्तर आदान-प्रदान होता रहता है इसी को जलचक्र कहते हैं ।

पृथ्वी पर पेड़ पौधे ऑक्सीजन के मुख्य उत्पादक हैं. ये सूर्य के प्रकाश से ऊर्जा लेकर प्रकाश संश्लेषण की क्रिया से कार्बन को सोखते हैं और वातावरण में ऑक्सीजन छोड़ते हैं.

जीव-जंतु इस ऑक्सीजन को सांस लेने की क्रिया द्वारा अपने शरीर में लेते हैं और अपना जीवन चलाते हैं।

जीवन और आक्सीजन

श्वसन जीवन की मुख्य क्रिया है।श्वसन में जीव वायु से आक्सीजन का उपयोग कर कार्बन डाई ऑक्साइड छोड़ता है।जलीय जीव भी जल में घुली आक्सीजन लेते हैं। इसके अतिरिक्त जलने(दहन),किण्वन,सड़ने के लिए भी आक्सीजन अनिवार्य है। इसके बिना आग नहीं जल सकती। जीवों द्वारा छोड़े गये कार्बन डाइ ऑक्साइड का उपयोग हरे पौधे प्रकाश-संश्लेषण क्रिया मे करते हैं और इस क्रिया में आक्सीजन मुक्त होती है और वायु में आक्सीजन की मात्रा नियंत्रित रहती है।

यह भी जानिए-

● मानव के क्रिया कलापों,वनों के कटाव, उद्योगों से निकलती गैसें यातायात से निकले धुयें, घरेलू उपकरणों से गैसों के रिसाव आदि गैसीय अपशिष्ट कहलाते है।

● वायु का 1/5भाग जलने के लिए आवश्यक है।

● ज्वालामुखी द्वारा निकलने वाली गैसों में भी कार्बन डाई ऑक्साइड की मात्रा होती है।

● वायुमंडल में कार्बन डाई ऑक्साइड पदार्थों के जलने, सड़ने, सांस लेने आदि से आती है।

● कारखानों की चिमनियों में धूम्र अवक्षेपक लगा कर प्रदूषण को कम किया जा सकता है।

● संघनन- जब जलवाष्प ठंडी होकर जल मे बदलती है इस क्रिया को संघनन कहते हैं।

अभ्यास कार्य

एक शब्द में लिखो-

1- पानी का भाप में बदलना _____

2- भाप का पानी में बदलना _____

3- पौधों द्वारा भोजन निर्माण_____

4-कल कारखानों से निकला धुआं ______

5- जल का वायुमंडल, जलमंडल और स्थल मंडल मे आदान-प्रदान ____

उत्तर माला पेज-9

भूमि की ऊपरी परत- मिट्टी

बलुई मिट्टी - बड़े कण

चिकनी मिट्टी- छोटे कण

सिल्ट मिट्टी- मध्यम कण

नाइट्रोजन- 78%

आक्सीजन-21%

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- **शीला सिंह (गाजीपुर), शबनम तौकीर(लखनऊ)**

विषय- चित्रकला पाठ- पत्ती कक्षा -UPS

प्रकरण- शिल्प कला क्रमांक- 11

मिशन शिक्षण संवाद

कागज मोडकर पत्ती बनाओ।पत्तियां बनाकर अपना मनपसंद चित्र सजाओ।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम नीरा चौहान प्र०वि०फुगाना–2,मजफ्फरनगर 9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

कुपोषण-

शरीर में आवश्यक पोषक तत्वों की कमी या अधिकता कुपोषण है जिसके कारण बच्चे कई बीमारियों से ग्रसित हो जाते हैं। कुपोषण के प्रमुख कारक निम्नवत् हैं-

1. प्रोटीन की कमी-प्रोटीन की कमी के कारण शरीर की वृद्धि रूक जाती है। मांसपेशियाँ कमजोर हो जाती हैं। एकाग्रता में कमी तथा कुछ भी सीखने में परेशानी होती है।
रोग-क्वॉशियोरकर, मेरास्मस।
2. कार्बोहाइडे्ट की कमी- इसकी कमी से शरीर कमजोर हो जाता है। रक्त में शर्करा की मात्रा कम हो जाती है।
3. वसा की कमी-वसा की कमी से मांस पेशियाँ कमज़ोर हो जाती हैं। त्वचा रूखी हो जाती है।
4. विटामिन्स की कमी-विभिन्न प्रकार के विटामिन्स की कमी के कारण रतौंधी, बेरी-बेरी, स्कर्वी, रिकेट्स, आदि रोग होते हैं।
5. खनिज लवण की कमी-इनकी कमी से अस्थि दुर्बलता, घेंघा, रक्ताल्पता आदि रोग होते हैं।

और भी जानें -

आजकल पैकेट बंद फूड, फास्ट फूड का बहुत प्रचलन है। पैकेट बंद फूड भले ही खाने में स्वादिष्ट लगते हों, लेकिन उनमें विटामिन्स और मिनरल्स का अभाव होता है, जो हमारे शरीर के लिए आवश्यक होते हैं। इस प्रकार के खाद्य पदार्थों को खाने से बचना चाहिए।

खाद्य पदार्थ खरीदते समय उनके लेबल पर एक्सपायरी डेट जरूर देख लें।

हमने जाना

संतुलित भोजन का अर्थ, विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों के लिए पोषक आहार एवं पोषक तत्वों की कमी का हमारे शरीर पर पड़ने वाला प्रभाव।

प्रोजेक्ट वर्क

आप सुबह के नाश्ते से लेकर रात के भोजन तक के आहार में किन-किन भोज्य पदार्थों को सम्मिलित करते हैं, प्रत्येक बार के भोजन में सम्मिलित भोज्य पदार्थों की सूची बनाइए।

उत्तरमाला पेज - 9

1. भोजन शरीर को शक्ति प्रदान करता है।
2. भोजन तत्वों से एन्ज़ाइम तथा हारमोन्स बनाता है।
3. लगभग 09 कैलोरी।
4. 6 से 8 गिलास

अभ्यास प्रश्न

1. सन्तुलित भोजन किसे कहते हैं?
2. भोजन के प्रमुख कार्य क्या हैं?
3. कुपोषण से आप क्या समझते हैं? विटामिन्स की कमी से होने वाले रोगों के नाम लिखिए?

मिशन शिक्षण संवाद

संस्कृत में 22 उपसर्ग होते हैं-

उपसर्ग अर्थ

1-अति- अधिक/परे👉अत्यन्त, अतिरिक्त, अत्यधिक, अत्युत्तम।
2- अधि- मुख्य/श्रेष्ठ।👉अधिकृत, अध्यक्ष, अध्यादेश, अधीन।
3-अनु- पीछे/ समान 👉अनुज, अनुरूप, अनुराग, अनुकरण।
4-अप-विपरीत/बुरा👉 अपव्यय, अपकर्ष, अपशकुन, अपेक्षा।
5-अभि-पास/सामने👉अभिभूत, अभ्युदय, अभ्यन्तर, अभ्यास, अभीप्सा।
6-अव- बुरा/ हीन 👉 अवज्ञा,अवतार, अवकाश, अवशेष।
7-आ-सहित 👉आलेखन, आगमन, आजीवन
8-उत् -ऊपर/ श्रेष्ठ 👉 उत्तम, उद्धार, उच्छ्वास, उल्लेख।
9- उप-समीप👉 उपवन, उपेक्षा, उपाधि, उपहार, उपाध्यक्ष।
10-दुर्-बुरा/ कठिन👉 दुरूह, दुर्गुण, दुरवस्था, दुराशा, दुर्दशा।
11-दुस्- बुरा/ कठिन👉 दुष्कर, दुस्साध्य, दुस्साहस।
12निर्- रहित/बाहर 👉 , निर्धन, नीरोग, नीरस,निराकार।
13- निस्/बिना/बाहर 👉 निश्छल, निष्काम, निष्फल,निस्सन्देह।
14- प्र-आगे/अधिक प्रयत्न, प्रारम्भ, प्रेत, प्राचार्य,प्रार्थी।
15-परा ,पीछे/अधिक 👉 पराक्रम, पराविद्या, परावर्तन,पराकाष्ठा।
16- परि-चारों ओर 👉 पर्याप्त, पर्यटन, पर्यन्त, परिमाण, परिच्छेद,पर्यावरण।
17-प्रति- प्रत्येक 👉 प्रतीक्षा, प्रत्युत्तर, प्रत्याशा, प्रतीति।
18-वि- विशेष/भिन्न👉 विलय, व्यर्थ, व्यवहार, व्यायाम,व्यंजन,व्यसन,व्यूह।
19-सु-अच्छा/सरल 👉 सुगन्ध, स्वागत, स्वल्प, सूक्ति, सुलभ।
20-सम् -पूर्ण शुद्ध👉 संकल्प, संशय, संयोग, संलग्न, सन्तोष।
21-अन्- नहीं/बुरा 👉 अनुपम, अनन्य, अनागत, अनुचित, अनुपयोगी।
22-प्र-आगे/अधिक👉प्रकाश,प्रभात, प्रचार, प्रसार, प्रगति।

गृहकार्य-
👉पढ़ें, याद करें व उत्तर पुस्तिका में लिखे।
👉निम्नांकित उपसर्गों को लगाकर नये शब्द बनाइए-
प्र, अनु, वि, सु।

शेष अगले क्रमांक में-

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kgbv Kasganj

विषय- कंप्यूटर पाठ- कंप्यूटर कक्षा -UPS

प्रकरण- कंप्यूटर सॉफ्टवेयर क्रमांक- 7

मिशन शिक्षण संवाद

कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर

निर्देशों का एक समूह (सैट)जो एक विशेष कार्य करता है, प्रोग्राम या सॉफ्टवेयर प्रोग्राम कहलाता है। प्रोग्राम के निर्देश, कम्प्यूटर को इनपुट कार्य करने, डाटा को प्रोसेस करने तथा रिजल्ट को आउटपुट करने के लिए निर्देशित (डायरेक्ट) करते हैं। कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर परिणाम को भी निर्धारित करता है

सॉफ्टवेयर के प्रकार

सॉफ्टवेयर को चार श्रेणियों में बाँटा जा सकता है -1. सिस्टम सॉफ्टवेयर, 2. ऐप्लीकेशन सॉफ्टवेयर, 3. पैकेजेज, 4. यूटिलिटीज

सिस्टम सॉफ्टवेयर :–

सिस्टम सॉफ्टवेयर एक या एक से अधिक प्रोग्राम्स के सेट हैं जो मूल रूप से एक कम्प्यूटर सिस्टम के कार्य को कंट्रोल करने के लिए डिजाइन किये गये हैं। ये जनरल प्रोग्राम्स हैं जो ऐप्लीकेशन्स प्रोग्राम्स को ऐक्जीक्यूट करने के सभी स्टेप्स (जैसे सभी कार्यों को कंट्रोल करना, डाटा को कम्प्यूटर के बाहर और अन्दर मूव कराना आदि) को करने के लिए कम्प्यूटर सिस्टम को प्रयोग करने में यूजर्स की मदद के लिए होते हैं।

सिस्टम सॉफ्टवेयर के अनुप्रयोग:--

- अन्य सॉफ्टवेयर को चलाना।
- प्रिंटर्स, कार्डरीडर्स, डिस्क और टेप डिवासेस आदि के साथ कम्प्यूनिकेट करना।
- अन्य प्रकार के सॉफ्टवेयर को विकसित करना।
- विभिन्न हार्डवेयर रिसोर्सेज जैसे मेमोरी, प्रिंटर्स, सी.पी.यू. आदि के प्रयोग को मॉनीटर करना।

इस तरह सिस्टम सॉफ्टवेयर कम्प्यूटर सिस्टम के कार्य को अधिक कुशल और प्रभावी बनाते हैं।

गृहकार्य

प्र.1 कंप्यूटर सॉफ्टवेयर क्या है?

प्र.2 सॉफ्टवेयर कितने प्रकार के होते हैं?

उत्तरमाला (क्रमांक - 6)

क) कीबोर्ड	104 बटन
ख) माउस।	स्क्रॉल
ग) मॉनिटर	सी.आर.टी.
घ) स्पीकर	गाना सुनना

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-भारती मांगलिक, बुलंदशहर

मिशन शिक्षण संवाद

हमारा भोजन

सामान्यतः पूरे दिन में जो कुछ भी हम खाते हैं उसे भोजन या आहार कहते हैं। हमारे शरीर की वृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए हमारे भोजन में वे सभी पोषक तत्व उचित मात्रा में होने चाहिए जिनकी आवश्यकता हमारे शरीर को है। कोई भी पोषक तत्व न अधिक हो न कम। हमारे भोजन में पोषक तत्व, विटामिन्स एवं खनिज के साथ पर्याप्त मात्रा में रेशे युक्त खाद्य तथा जल भी होना चाहिए। इए प्रकार के आहार को 'संतुलित आहार' कहते हैं।

भोजन के निम्नलिखित कार्य होते हैं-

1. भोजन शरीर को शक्ति प्रदान करता है।
2. भोजन के द्वारा शरीर का निर्माण और मरम्मत का कार्य होता है।
3. भोजन के द्वारा रोगों से सुरक्षा होती है।
4. भोज्य तत्वों से एन्जाइम तथा हार्मोन्स बनता है जो शरीर के लिए लाभकारी होता है।

उत्तरमाला पेज - 8

1. समय समय पर बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलानी चाहिए।
2. कृमि संक्रमण रोकने के लिये हमें एल्बेंडाजोल की टेबलेट खानी चाहिए।
3. स्वस्थ रहने के लिए डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

अभ्यास प्रश्न

1. भोजन शरीर को क्या प्रदान करता है?
2. भोजन तत्वों से क्या बनाता है?
3. 1ग्राम वसा में कितने कैलोरी उर्जा प्राप्त होती है?
4. एक दिन में कितने गिलास पानी पीने चाहिए?

01 ग्राम शुद्ध वसा में लगभग 09 कैलोरी उर्जा प्राप्त होती है। 01 ग्राम प्रोटीन में लगभग 04 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है। 01 ग्राम कार्बोहायड्रेट में लगभग 4.1 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है। खिलाड़ियों के लिए अपेक्षित कैलोरी की मात्रा -

12 वर्षीय बच्चे (शाकाहारी/मांसाहारी) के लिए पूरे दिन का संतुलित आहार

भोज्य पदार्थ	मात्रा	पके हुए भोजन की अनुमानित मात्रा
अनाज	300 ग्राम	10 कप
(अ) चावल	160 ग्राम	5 कप
(ब) गेहूं	160 ग्राम	6-7 रोटी
दाल	70 ग्राम	3 कप
हरी पत्तेदार सब्जियाँ	75 ग्राम	2 कप
अन्य सब्जियाँ	75 ग्राम	1/2 कप
फल	50 ग्राम	
दूध	250 मिली	1 गिलास
वसा तथा तेल	35 ग्राम	2 चम्मच
शक्कर/चीनी/गुड़	50 ग्राम	चम्मच (बड़ा)
मांस, मछली	35 ग्राम	
अण्डा	1 अण्डा	1 अण्डा
जल	6-8 गिलास	

विषय-चित्रकला पाठ-तितली कक्षा - UPS

प्रकरण- चित्रण व रंग क्रमांक- 10

मिशन शिक्षण संवाद

तितली उड़ी, उड़ के चली।

1

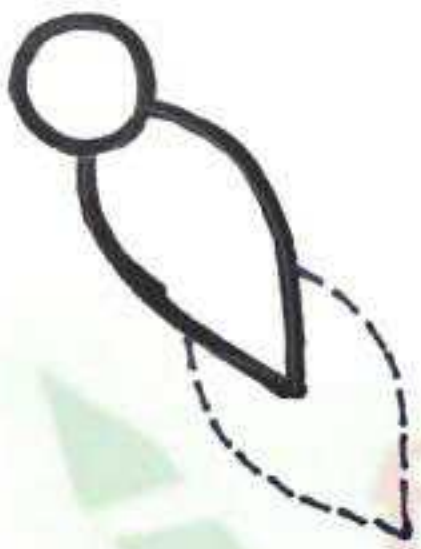

2

3

4

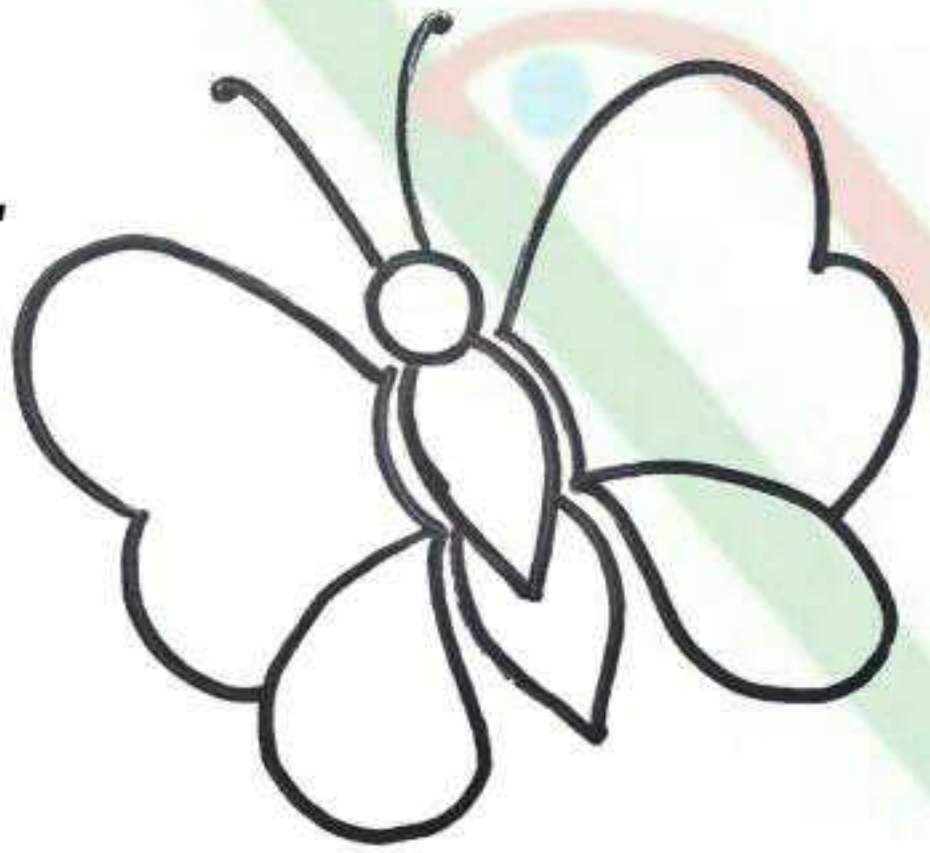

5

6

केवल अंतिम चित्र को अपनी कॉपी पर बनायें।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- चेतना सिंह (प्राथमिक विद्यालय इमरता)

विषय- **पर्यावरण** पाठ- मिट्टी और वायु कक्षा -जूनियर

प्रकरण- मिट्टी के प्रकार एवं उपयोगिता क्रमांक- **9**

मिशन शिक्षण संवाद

मिट्टी

परिभाषा

मिट्टी भूमि की सबसे ऊपरी परत होती है जो चट्टानों के टूटने से बनती है इसके अन्दर जल,आक्सीजन एवं पोषक तत्व होते हैं।

मिट्टी के प्रकार

चट्टानों एवं वातावरण की विभिन्नता के कारण मिट्टी अलग-अलग जगह पर अलग -अलग रंग की होती है बालू की मात्रा एवं कणों के आधार पर मिट्टी निम्न प्रकार की होती है।

1- बलुई मिट्टी

जिस मिट्टी में बड़-बड़े कण होते हैं और बालू की मात्रा अधिक होती है वह.बलुई मिट्टी होती है।

2- चिकनी मिट्टी

जिस मिट्टी में कण छोटे होते हैं और बालू की मात्रा कम होती है वह चिकनी मिट्टी होती है।

3- सिल्ट

जिस मिट्टी के कण मध्यम आकार के होते हैं उसे सिल्ट कहते हैं।

मिट्टी की उपयोगिता

1- पौधों को खड़े रहने का आधार देना।

2- पौधों को बढ़ने के लिए पोषक तत्व देना।

3- पानी को सोखना जिसे जड़ें अवशोषित करतीं हैं।

4-कुछ जन्तु मिट्टी में घर (बिल,बाम्बी, गुफा बरोज) बनाकर रहते हैं ।जैसे चूहा, साँप, दीमक, नेवला ,शेर आदि।

5- कुछ जन्तु मिट्टी में उगी झाड़ियों में रहते हैं।जैसे- नीलगाय, हिरन, जीराफ आदि।

मृदा(मिट्टी) प्रदूषण

1-पेड़- पौधों एवं घास के मैदान काटे जाने से मिट्टी का कटाव बढ़ रहा है।जिससे मिट्टी के पोषक तत्व बह जाते हैं।

2- रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से मिट्टी के गुण नष्ट हो रहे हैं।

उत्तरमाला पेज 8

1- गली प्लग
2- चैक डैम
3- छत

वायु

पृथ्वी के चारों ओर वायु है। जिसमें अनेक प्रकार की गैसें हैं। पृथ्वी के चारों ओर बना गैसों का घेरा वायुमण्डल कहलाता है।

इस वायुमण्डल में नाइट्रोजन(78%) आक्सीजन(21%), कार्बन डाई आक्साइड तथा अन्य गैसें(1%)हैं। इसके अतिरिक्त वायुमण्डल में जलवाष्प व धूल के कण भी पाए जाते हैं।

गृहकार्य

मिलान करिए

भूमि की ऊपरी परत	मध्यम कण
बलुई मिट्टी	मिट्टी
चिकनी मिट्टी	बड़े कण
सिल्ट मिट्टी	छोटे कण
नाइट्रोजन	21%
आक्सीजन	78%

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- शबनम तौक़ीर(लखनऊ)शीलासिंह(ग़ाजीपुर)

विषय- कम्प्यूटर पाठ- कम्प्यूटर कक्षा -UPS

प्रकरण- हार्डवेयर क्रमांक - 6

मिशन शिक्षण संवाद

कम्प्यूटर हार्डवेयर --

की-बोर्ड – यह एक इनपुट डिवाइस है। इसके द्वारा प्रोग्राम एवं डाटा को कम्प्यूटर में एंटर किया जाता है। कम्प्यूटर का की-बोर्ड टाइप राइटर के की-बोर्ड से लगभग मिलता-जुलता है। इसमें सामान्यत: 104 या उससे ज्यादा बटन होते हैं।

माउस – माउस एक प्वाइंटिंग डिवाइस है जिसके द्वारा बिना की-बोर्ड का प्रयोग किये कम्प्यूटर का नियंत्रण कर सकते हैं इसे एक हाथ से पकड़ा जाता है और एक फ्लैट सतह पर चलाया जाता है। माउस का प्रयोग स्केचेज, डायग्राम्स आदि ड्रा करने में तथा निर्देश देने के लिए किया जाता है।

माउस दो प्रकार का होता है।

1-मैकेनिकल 2. ऑप्टिकल माउस।

इसमें दो बटन होती है लेफ्ट एवं राइट बटन तीसरी बटन स्क्रॉल बटन भी किसी-किसी माउस में होती है। जब माउस को समतल सतह पर इधर-उधर सरकाते हैं। तो मॉनीटर की स्क्रीन पर तीर (↑) का निशान निर्देशानुसार सरकता है।

स्पीकर – कम्प्यूटर से गाना सुनने तथा पिक्चर देखने पर जो आवाज आती है वह स्पीकर के माध्यम से ही हम तक पहुँचती है।

मॉनीटर – कम्प्यूटर से प्राप्त निष्कर्ष देखने के लिए मॉनीटर का प्रयोग किया जाता है। इसकी संरचना टेलीविजन की तरह होती है। सामान्यत: मॉनीटर दो प्रकार के होते हैं – सी.आर.टी. एवं टी. एफ. टी.।

गृहकार्य

सही जोड़े बनाओ -

क) कीबोर्ड क) स्क्रॉल बटन

ख) माउस। ख) गाना सुनना

ग) मॉनिटर। ग) 104 बटन

घ) स्पीकर। घ) सी. आर. टी.

उत्तरमाला (क्रमांक 5)

क) ×

ख) ✓

ग) ✓

घ) ✓

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- भारती मांगलिक बुलंदशहर

विषय-हिन्दी व्याकरण पाठ- कक्षा -6, 7, 8

प्रकरण- उपसर्ग क्रमांक-10

मिशन शिक्षण संवाद

शब्द रचना (Formation of Words)

उपसर्ग (Prefixes)

उपसर्ग दो शब्दों से मिलकर बना है-'उप' तथा 'सर्ग'।
उप का अर्थ पास या समीप तथा सर्ग का अर्थ है रचना या निर्माण।
जो शब्दाशं किसी शब्द से पहले जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं या उसके अर्थ में विशेषता ला देते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं।
जैसे-
नि+डर=निडर।
वि+ देश= विदेश,
अ+ज्ञान=अज्ञान
प्र+हार=प्रहार।
उपर्युक्त शब्दों में 'नि' 'वि', 'अ', 'प्र' सभी उपसर्ग. हैं।

उपसर्ग की प्रमुख विशेषताएँ---
1- उपसर्ग का अपना कोई अर्थ नहीं होता,इसलिए इन्हें स्वतंत्र रूप में प्रयोग नहीं किया जा सकता है।
2- ये अन्य शब्दों के पूर्व में जुड़कर उनका अर्थ बदल देते.हैं।

उपसर्ग के भेद--

1- संस्कृत के उपसर्ग 2- हिन्दी के उपसर्ग 3- अरबी,फारसी और उर्दू के उपसर्ग 4- अंग्रेजी के उपसर्ग 5- उपसर्ग के समान प्रयुक्त होने वाले संस्कृत के अव्यय।

Praveena dixit Kgbu Kasganj

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-